door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 318 | गुवाहाटी | मंगलवार, 18 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंपी पेज 2
सीएम डॉ. शर्मा ने जीएमसीएच का किया निरीक्षण पेज 3
सिंध ने सबसे पहले आक्रांताओं से मुकाबला किया और राष्ट्र के लिए शहादत... पेज 5
वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2-1 से हराया... पेज 7

दार्जिलिंग में कंचनजंघा से भिड़ी मालगाड़ी, 15 की मौत, 41 घायल

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार सुबह करीब नौ बजे एक बड़ी रेल दुर्घटना हुई है। एक मालगाड़ी ने सिग्नल पर खड़ी डाउन कंचनजंघा एक्सप्रेस (13174) को पीछे से टक्कर मार दी। ये ट्रेन सियालदह आ रही थी। हादसे में कंचनजंघा एक्सप्रेस के तीन डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में दो रेल कर्मी समेत 15 लोगों की मौत हो गई और 41 लोग घायल हैं। इनमें से 9 लोगों की हालथ गंभीर बताया जा रहा है। मृतकों में मालगाड़ी के लोको पायलट और कंचनजंघा एक्सप्रेस के ट्रेन मैनेजर (गार्ड) भी शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सोमवार शाम को दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने समीप के अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से भी मुलाकात की। वैष्णव ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयोग घटना की पूरी जांच करेगा। बचाव अभियान समाप्त हो चुका है और अब रेलवे का ध्यान ट्रैक बहाली पर है, यह मुख्य लाइन है। हम इस दुर्घटना के पीछे के कारणों की पहचान करेंगे और भविष्य के लिए उचित निवारक उपाय करेंगे। रेलवे के अनुसार, कंचनजंघा एक्सप्रेस अगरतला से पश्चिम बंगाल के सियालदह जा रही थी। एक्सप्रेस ट्रेन सिलीगुड़ी के फांसीदेवा में रंगापानी स्टेशन के पास रुइधासा में रेड सिग्नल की वजह से रुकी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में लोको पायलट की भी मौत की खबर है। आशंका है कि मालगाड़ी के पायलट ने सिग्नल को अनदेखा किया, जिसकी वजह से दुर्घटना हुई। टक्कर कितनी जोरदार थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मालगाड़ी के इंजन पर एक्सप्रेस ट्रेन का एक डिब्बा हवा में लटक रहा है। अन्य दो डिब्बे बेपटरी हो गए हैं। दुर्घटना के बाद रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। ये नंबर हैं- 033-23508794 और 033-23833326 (सियालदह) और 0361-2731621, 0361-2731622 और 0361-2731623 गुवाहाटी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। वहीं, भारतीय रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 2-2 लाख रुपए और सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे पर दुख जताया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे में लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों -शेष पृष्ठ दो पर

13174 एक्सप्रेस में असम के 95 यात्री थे सवार

यह समय राजनीति का नहीं : केंद्रीय रेलमंत्री

कोलकाता। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दार्जिलिंग जिले में कंचनजंघा एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि अभी हमारा ध्यान बहाली पर है। यह मुख्य लाइन है। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। यह समय राजनीति का नहीं है। मैं घायलों से भी मिलूंगा। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नौ लोगों को गंभीर चोटें आईं और 32 को सामान्य या मामूली चोटें आईं। अप लाइन को -शेष पृष्ठ दो पर

अनाथ हो गई है रेलवे : ममता

कोलकाता। कंचनजंघा एक्सप्रेस हादसे पर पूर्व रेल मंत्री और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय रेलवे के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया है। सोमवार दोपहर उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले कोलकाता हवाईअड्डे पर ममता ने कहा कि रेलवे अनाथ हो गई है। कोई देखने वाला नहीं है। सिर्फ बातें होती हैं। यात्रियों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने शिकायत की कि रात में लंबी दूरी की ट्रेन -शेष पृष्ठ दो पर

घायलों को लाने और ईलाज की व्यवस्था करेंगे : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि अगरतला-कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना में असम का कोई व्यक्ति पीड़ित है तो उसे दुर्घटना स्थल से असम लाने तथा उसकी उन्नत चिकित्सा व्यवस्था करने का जिम्मा असम सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल दुर्घटना के विषय में उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा सरकार ने भेजी विशेष टीम

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा सरकार ने त्रिपुरा के लोगों की सहायता के लिए पश्चिम बंगाल स्थित दुर्घटनास्थल पर अपनी दो सदस्यीय विशेष टीम भेजी है, जहां अगरतला-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस आज सुबह दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। दुर्घटना में राज्य के मारे गए व्यक्ति की पहचान करके उसे अनुग्रह राशि दी जाएगी। ज्ञात हो कि पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के अनुसार अब तक आठ यात्रियों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि अगरतला-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

मणिपुर हिंसा पर अमित शाह की हाईलेवल मीटिंग, जल्द हो सकता है बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए सोमवार शाम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के दोबारा सत्ता में आने के बाद केंद्र सरकार की यह पहली उच्च स्तरीय बैठक है। इस बैठक में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, सेना प्रमुख (पदनाम) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, थ्री कोर के जीओसी एचएस साही, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर शामिल हुए। पिछले साल 3 मई से मणिपुर में दो समुदायों कुकी और मैतेई के बीच संघर्ष चल रहा है, जिसमें अब तक कम से कम 225 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 50,000 लोग बेघर हो गए हैं। बेघर लोग अभी भी राहत केंद्रों में शरण लेने पर मजबूर हो रहे है। पूर्वोत्तर राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव : तैयारी में जुटी भाजपा, चार राज्यों में प्रभारी-सहप्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा इस साल चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गई है। पार्टी आलाकमान ने महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए। भाजपा हाईकमान ने महाराष्ट्र में भूपेंद्र यादव को प्रभारी बनाया है जबकि सहप्रभारी की भूमिका में अश्विनी वैष्णव रहेंगे। वहीं, हरियाणा में धर्मेंद्र प्रधान को प्रभारी बनाया गया है, जबकि विपल्व कुमार देव सह प्रभारी रहेंगे। इसी तरह झारखंड का प्रभारी शिवराज सिंह चौहान को बनाया गया है। यहां असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सह प्रभारी भी भूमिका अदा करेंगे। वहीं, जम्मू कश्मीर का प्रभारी जी किशन रेड्डी को बनाया गया है। भाजपा ने कहा है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से होगी। जम्मू कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों के लिए 30 सितंबर से पहले होने का अनुमान है। इसके बाद बाकी के तीन राज्यों में अक्तूबर-नवंबर में चुनाव हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है। यहां पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था। भाजपा और पीडीपी की गठबंधन वाली सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

– **अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्मा : शिवराज

सीहोर (हि.स.)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह और पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान के साथ विजयासन देवी धाम सलकनपुर पहुंचे। उन्होंने यहां माता विजयासन की पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण हो। भारत -शेष पृष्ठ दो पर

देशभर की जामा मस्जिदों में अदा की गई ईद-उल-अजहा की नमाज

नई दिल्ली (हि.स.)। देशभर की जामा मस्जिदों में आज सवेरे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने दिल्ली के दरगाह पंजा शरीफ में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इससे पहले ईद-उज-जुहा की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी है। ईद-उल-अजहा का त्योहार बुधवार शाम तक मनाया जाएगा। दिल्ली की जामा मस्जिद -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करें ईसी : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को फिर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से ईवीएम और प्रक्रियाओं की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने या उन्हें समाप्त करने की मांग की। विपक्ष के नेता की यह बाद उस आरोप के एक दिन बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ईवीएम एक ऐसा *ब्लैक बॉक्स* है और किसी को भी उसकी जांच करने की अनुमति नहीं है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब लोकतांत्रिक संस्थानों पर कब्जा कर लिया जाता है तो एकमात्र सुरक्षा चुनावी प्रक्रिया में निहित होती है, जो जनता के लिए पारदर्शी होती है। उन्होंने कहा कि ईवीएम अभी ब्लैक बॉक्स है। चुनाव आयोग या तो मशीनों और प्रक्रियाओं की पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए या उन्हें समाप्त कर देना चाहिए। पार्टी के एक अन्य नेता गौरव गोगोई -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड से प्रियंका गांधी लड़ेंगी चुनाव : खड़गे

नई दिल्ली। राहुल गांधी रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। वह वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी घोषणा की है। वहीं, राहुल के इस्तीफे के बाद प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसका एलान करते हुए कहा कि राहुल गांधी 2 लोकसभा सीटों से जीते हैं, लेकिन कानून के मुताबिक उन्हें एक सीट खाली करनी होगी। राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे और वायनाड लोकसभा सीट खाली करेंगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने रायबरेली और वायनाड दोनों सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था और दोनों पर उन्हें जीत -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने पिछले एक साल में आठ नए परमाणु बम बनाए

नई दिल्ली (हि.स.)। दुनियाभर में भले ही एटमी हथियारों की संख्या घट रही हो लेकिन ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। पहली बार चीन के कुछ हथियार हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर हैं। चीन का परमाणु शस्त्रागार जनवरी, 2023 में 410 वॉरहेड से बढ़कर जनवरी, 2024 में 500 हो गया है। इसके और बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा नौ परमाणु हथियार संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने-अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण जारी रखे हुए हैं। यह खुलासा सोमवार को स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ है। विश्लेषण में कहा गया है कि चीन का परमाणु शस्त्रागार जनवरी, 2023 में 410 वॉरहेड से बढ़कर जनवरी, 2024 में 500 हो गया है और इनकी संख्या इस दशक के अंत तक 1,000 से ऊपर पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 2,100 वॉरहेड को बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन अलर्ट की स्थिति में रखा गया है, जिसमें लगभग सभी रूस या अमेरिका के हैं। पहली बार चीन के कुछ हथियार हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर हैं। सीपरी ने कहा कि नौ परमाणु हथियार -शेष पृष्ठ दो पर

पेपर लीक के खिलाफ बिहार में बनेगा सख्त कानून : सीएम

पटना। पेपर लीक के खिलाफ बिहार में सख्त कानून बनेगा। आगामी विधानसभा सत्र में इससे जुड़ा प्रस्ताव लाया जाएगा। राज्य में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्देश दिया है। इसमें कहा गया है कि परीक्षाओं में पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की अनियमितता न हो, इसको लेकर एक सख्त कानून बनाने का प्रस्ताव आगामी विधानसभा सत्र में लाया जाएगा। बिहार में इस साल नौकरियों की बाहर आने वाली है। अब तक 5 लाख 16 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। 1 लाख 99 हजार सरकारी पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अगले तीन महीने में नियुक्ति पत्र बांटे जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही 2 लाख 11 हजार पदों पर भर्ती के लिए अधियाचना विभिन्न आयोगों को भेजी जा चुकी है। 2 लाख 34 हजार पदों पर भर्ती के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना भेजने की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंपी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में एक यात्री बस पर हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। एनआईए द्वारा आज सोमवार (17 जून) ने यह बयान जारी किया है। एनआईए के एक अधिकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में 9 जून को एक यात्री बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। यह फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा यहां लगातार दो बैठकों में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के एक दिन बाद लिया गया। ये बैठकें रियासी जिले में बस पर हुए आतंकी हमले और केंद्र शासित प्रदेश में कुछ अन्य आतंकी घटनाओं के मद्देनजर बुलाई गई थीं। उल्लेखनीय है कि बीती 9 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले के बाद उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे तीन महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 घायल हो गए थे। आतंकवादियों ने 53 सीटों वाली बस पर तब गोलीबारी की, जब वह कटरा में शिव खोड़ी मंदिर से माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी। इसके बाद बीती 11 जून को भी आतंकवादियों ने भद्रवाह के चटरगल्ला में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की एक संयुक्त जांच चौकी पर गोलीबारी की, जबकि 12 जून को डोडा जिले के गंदोह इलाके में एक तलाशी दल पर हमला किया गया। इस हमले में एक पुलिसकर्मी सहित सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 13 जून को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी, जहां उन्होंने तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमले सहित कई आतंकवादी घटनाओं के बाद अधिकारियों को *आतंकवाद विरोधी क्षमताओं की पूरी श्रृंखला* तैनात करने का निर्देश दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है और हाल की घटनाओं से पता चलता है कि आतंकवाद हिंसा के अत्यधिक संगठित कृत्यों से घटकर मात्र छद्म युद्ध में सिमटने को मजबूर हो गया है।

अब अपनी जेब से बिजली बिल भरेंगे असम के मंत्री-विधायक : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सरकारी क्वार्टरों में रहने वाले सभी मंत्रियों, विधायकों और सरकारी कर्मचारियों से 1 जुलाई से अपने बिजली बिल का भुगतान करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का एक प्रयास है, उन्होंने कहा कि वह बिलों का भुगतान शुरू करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम करदाताओं के पैसे से सरकारी अधिकारियों के बिजली बिलों का भुगतान करने के वीआईपी संस्कृति नियम को समाप्त कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि मैं और मुख्य सचिव एक उदाहरण स्थापित करेंगे और 1 जुलाई से हमारे बिजली बिलों का भुगतान शुरू कर देंगे। जुलाई 2024 से, सभी लोक सेवकों को अपनी बिजली खपत के लिए भुगतान स्वयं करना होगा। शर्मा ने कहा कि राज्य का लक्ष्य निम्न आय वर्ग के लोगों के लाभ के लिए बिजली बिल की दर में 1 रुपए प्रति यूनिट की कमी करना है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले साल अप्रैल तक दर 1 रुपए प्रति यूनिट कम करने का है और हम अगले साल 50 पैसे प्रति यूनिट और कम करेंगे। बिजली बचाने के अभियान के तहत, असम सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों में रात 8 बजे के बाद बिजली का ऑटो-डिस्कनेक्शन शुरू करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमने सभी सरकारी कार्यालयों (सीएम सचिवालय, गृह और वित्त विभाग को छोड़कर) में रात 8 बजे बिजली के ऑटो-डिस्कनेक्शन को लागू करने की पहल की है ताकि हम बिजली बचा सकें। यह उपाय राज्य भर के 8,000 सरकारी कार्यालयों, स्कूलों में पहले से ही लागू है।

भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर में भारी तबाही, गुवाहाटी के कई इलाके जलमग्न

गुवाहाटी (हिंस)। बीते कई दिनों से राजधानी गुवाहाटी समेत पूरे पूर्वोत्तर में हो रही भारी बारिश के कारण गुवाहाटी समेत राज्य के कई शहरों और अन्य इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वहीं, ब्रह्मपुत्र समेत राज्य की प्राय: सभी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। जहां असम के विभिन्न स्थानों से बाढ़ की खबरें आ रही हैं, वहीं असम समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बारिश के कारण हुए भूस्खलन से व्यापक तबाही मच गई है। राजधानी गुवाहाटी के तरुण नगर, अनिल नगर और चांदमारी समेत कई इलाकों में कृत्रिम बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सड़कें जलमग्न हो जाने के कारण निवासियों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूरे सप्ताह बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है। प्रशासन से तत्पर रहने को कहा गया है। बारिश ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़क और रेल संचार दोनों को बाधित कर दिया है।

मक्का में हज के दौरान असम की दो महिलाओं की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। असम से हज करने गईं असम की दो महिलाओं की मक्का में मौत हो गई है। तीर्थयात्री महिला के शव का अंतिम संस्कार सऊदी सरकार की देखरेख में मक्का में ही किया गया है। इस खबर महिला के परिवार में ईद की खुशियां मातम में बदल गईं। जानकारी के अनुसार हैलाकांदी जिलांतर्गत चंद्रपुर इलाके के लाला बाजार की सालेहा बेगम हज करने के लिए मक्का गई थीं। हज करने के दौरान रविवार को मक्का के मीनात में सालेहा बेगम अचानक बीमार पड़ गईं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके अलावा बरपेटा जिले के हाउली शहर के वार्ड नंबर 9 निवासी 54 वर्षीय जरीना बेगम 18 मई को अपने पति अबुल हुसैन के साथ असम से मक्का के लिए रवाना हुई थीं।

अब देर से कार्यालय पहुंचना सरकारी कर्मचारी को पड़ेगा भारी, सरकार ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देर से कार्यालय आने वाले अपने कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उसने वरिष्ठ अधिकारियों से इस मामले को गंभीरता से लेने को कहा है। लगातार ऐसी शिकायतें मिल रहीं थी कि कई कर्मचारी बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) में अपनी उपस्थिति नहीं दर्ज कर रहे। कुछ कर्मचारी नियमित रूप से देर से आ रहे हैं। इसी का संज्ञान लेते हुए चेतावनी दी गई है। कार्मिक मंत्रालय ने अपने आदेश में मोबाइल फोन आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली का उपयोग करने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि एईबीएएस के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई है। समीक्षा में पाया गया कि एईबीएएस के क्रियान्वयन में ढिलाई बरती जा रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए मंत्रालय ने कहा कि सभी विभाग नियमित रूप से उपस्थिति रिपोर्ट की निगरानी करेंगे। आदतन देर से आने और जल्द कार्यालय छोड़ने को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसे अनिवार्य रूप से रोका जाना चाहिए। डिफाल्टरों के खिलाफ मौजूदा नियमों के तहत सख्त कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

होजाई जिला साल की दूसरी बाढ़ की चपेट में

होजाई (हिंस)। साल की दूसरी बाढ़ की चपेट में होजई जिले का विशाल क्षेत्र आ गया है। कपिली नदी में आई बाढ़ का पानी होजाई जिले के कई गांवों को जलमग्न हो चुका है। अभी तक पहली बाढ़ से लोगों को राहत मिल भी नहीं पाई थी कि फिर से इलाके के लोग दूसरी बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इस बीच, कपिली नदी के बाढ़ के पानी में ठेपलागुड़ी, जाठिहुरा, हातिमरा, नभंगा, दक्षिण केंदुगुड़ी, नेपालीखुटी, हयांग, ओवारीगेडिंग, जमुनासिट समेत कई गांव जलमग्न हो गए हैं। जिले में कपिली नदी खतरे के निशान को पार कर चुकी है, जिसके बाद प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। स्थानीय लोग बाढ़ शिविरों और ऊंचाई वाले इलाकों में रहने को मजबुर हो गये हैं।

पृष्ठ एक का शेष

दार्जिलिंग में कंचनजंघा...

के शीघ्र स्वस्थ होने और राहत एवं बचाव कार्यों की सफलता की कामना करती हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे में लोगों की जान जाना वास्तव में दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों की सहायता के लिए बचाव कार्य जारी है। रेल दुर्घटना पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। दु:ख की इस घड़ी में हम उनमें से प्रत्येक के प्रति अपनी एकजुटता और संवेदना व्यक्त करते हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को तत्काल और पूर्ण मुआवजा प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने रेल मंत्रालय का घोर कुप्रबंधन किया है, यह उसका परिणाम है। कांग्रेस नेता और लोक सभा के नवनिर्वाचित सदस्य राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में कंचनजंघा एक्सप्रेस की दुर्घटना पर दुख जताते हुए मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई है। सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर राहुल गांधी ने कहा कि वे इस दुर्घटना से दुखी हैं और वे सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करते हैं। राहुल गांधी ने सभी पीड़ितों और उनके परिजनों को तुरंत पूरा मुआवजा देने के लिए केंद्र सरकार से अपील की है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अनुरोध किया है कि वे राहत और बचाव प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने एक्स पर कहा कि विगत 10 वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में हुई वृद्धि सीधा-सीधा केंद्र सरकार के कुप्रबंधन और उपेक्षा का नतीजा है, जिसमें आए दिन यात्रियों के जान-माल का नुकसान होता है। आज की दुर्घटना इसी वास्तविकता का एक और उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में इस तरह की नजरंदाजी पर सवाल उठाते रहेंगे और केंद्र सरकार को इन दुर्घटनाओं पर जवाबदेह बना कर रहेंगे।

उधर पश्चिम बंगाल में भीषण दुर्घटना का शिकार हुई कंचनजंघा एक्सप्रेस ट्रेन में असम के 95 यात्री सवार थे। यह जानकारी रेलवे ने जारी की है। हालांकि, बाद के चरणों में यह संख्या और बढ़ सकती है। सभी की तबीयत अब स्थिर बताई जा रही है। इन 95 यात्रियों में से 45 यात्री लामडिंग, 24 लंका और 26 होजाई के थे। आरक्षित सीटों पर यात्रा करने वाले 45 यात्रियों ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों की यात्रा कर रहे थे। इस बीच, लमडिंग रेलवे डिवीजन ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। लमडिंग रेलवे डिवीजन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर हैं- 03674-263958, 263831, 263120, 263126, 263858। उल्लेखनीय है कि ट्रेन दुर्घटना में अब तक नौ यात्रियों की मौत हो गई है और 41 घायल हो गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है। रेलवे विभाग ने कुछ प्राथमिक जानकारी में खुलासा किया है कि एक्सप्रेस के ज्यादातर यात्री अगरतला के हैं। कंचनजंघा एक्सप्रेस असम में कई स्टेशनों पर रुकती है। त्रिपुरा के धर्मनगर से न्यू करीमगंज स्टेशन तक कंचनजंघा का पहला पड़ाव है। फिर बदरपुर, न्यू हाफलोंग, लमडिंग, लंका, होजाई, गुवाहाटी, कामाख्या, रंगिया में ठहराव हैं। इसके अलावा, बरपेटा रोड, न्यू बंगाईगांव, कोकराझाड़, फकीराग्राम, गोसाईंगांव हाट में स्टॉपेज है।

यह समय राजनीति...

साफ कर दिया गया है और ट्रेन परिचालन शुरू हो गया है, इसमें कहा गया है कि *डाउन लाइन* को भी जल्द ही साफ कर दिया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयोग गहन जांच करेगा। बचाव अभियान समाप्त हो गया है और अब ध्यान बहाली पर है, यह मुख्य लाइन है। हम इस दुर्घटना के पीछे के कारण की पहचान करेंगे और भविष्य के लिए उचित निवारक उपाय करेंगे। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा का कहना है कि पश्चिम बंगाल में सियालदह जा रही कंचनजंघा एक्सप्रेस से टकराकर कम से कम आठ लोगों की जान लेने वाली मालगाड़ी रुकने के *सिग्नल की अनदेखी* करती प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया, यह मानवीय भूल प्रतीत होती है, लेकिन जांच के बाद हमें और अधिक पता चलेगा कि सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा। दुर्भाग्य से, चालक (मालगाड़ी का) भी दुर्घटना में मारा गयाज् इसलिए हमारे पास यह जानने का कोई प्रामाणिक तरीका नहीं है कि वास्तव में क्या हुआ था। स्थिति से हम जो कुछ भी समझ सकते हैं, ऐसा लगता है कि सिग्नल की उपेक्षा की गई थी। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें (रेल मंत्रालय) यात्री सुविधाओं की परवाह नहीं है। उन्हें रेलवे अधिकारियों, रेलवे इंजीनियरों, रेलवे तकनीकी कर्मचारियों और श्रमिकों की भी परवाह नहीं है। वे भी संकट में हैं। उनकी पुरानी पेंशन वापस ले ली गई है। मैं पूरी तरह से रेलवे कर्मचारियों और रेलवे अधिकारियों के साथ हूं। वे अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं। सरकार पर हमला करते हुए ममता ने कहा कि लेकिन इस सरकार को सिर्फ चुनाव की चिंता है। हैकिंग के लिए कैसे जाना है, हेरफेर के लिए कैसे जाना है, चुनाव में धांधली के लिए कैसे जाना है... मुझे लगता है कि उन्हें शासन के लिए अधिक समय देना चाहिए, न कि बयानबाजी के लिए। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार को सुबह एक मालगाड़ी की टक्कर लगने के कारण सियालदह जाने वाली कंचनजंघा एक्सप्रेस के पीछे के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 15 यात्री मारे गए और 60 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, हालांकि राज्य और केंद्र की कई एजेंसियां स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उन यात्रियों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं जो अभी भी अंदर फंसे हो सकते हैं। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि मृतकों में मालगाड़ी का पायलट और सह-पायलट भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि उत्तर बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से लगभग 30 किलोमीटर दूर रंगापानी स्टेशन के पास ही मालगाड़ी के इंजन द्वारा पीछे से टक्कर मारे जाने के कारण कंचनजंघा एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डब्बे पटरी से उतर गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। उन्होंने आगे कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि हादसे में घायल हुए लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। मैंने अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों का सहायता के लिए बचाव अभियान जारी है।

अनाथ हो गई ...

यात्रा अब एक दु:स्वप्न है। मैं समय-समय पर सियालदह के यात्रियों की पीड़ा देखती हूं। मैंने यह भी सुना है कि रात की ट्रेन में यात्रियों को जो बिस्तर (कंबल-चादर, तकिए) दिए जाते हैं उनमें भी गंदगी रहती है। यही स्थिति है। ममता ने कहा कि जब मैं रेल मंत्री थी तब मैंने टक्कर रोधी उपकरण की शुरुआत की थी। उस समय मैंने कोंकण रेल में इसका उपयोग किया था। मैं खुद मारगांव गई थी। आज कुछ लोग इसे नया नाम दे रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि नया नाम देने के बाद भी यात्रियों की सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं है। अब यह सिर्फ एक फैशन है, घोषणा के नाम पर शब्दों की झड़ी लग गई है। लेकिन कार्यस्थल पर कुछ नहीं हो रहा है। गैसल रेल हादसे को याद करते हुए ममता ने कहा कि वहां जो हादसा हुआ था, वह आज की घटना से भिन्न है। इस क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उस पर भी कोई ध्यान नहीं है।

घायलों को लाने ...

कहा कि रेलगाड़ी त्रिपुरा से चलकर असम होते हुए बंगाल जा रही थी, इसलिए असम के बड़ी संख्या में यात्री इसमें सवार थे। हालांकि, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा दुर्घटना के मृतकों तथा इसमें घायल हुए लोगों की सूची जारी नहीं की गई है। फिर भी राज्य के मुख्य सचिव इस पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बना हुआ है।

त्रिपुरा सरकार ने ...

को न्यू जलपाईगुड़ी के पास एक मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। खबर लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री के सचिव पीके चक्रवर्ती ने कहा कि 16 जून की सुबह 8.15 बजे कंचनजंघा एक्सप्रेस यात्रियों को लेकर अगरतला रेलवे स्टेशन से सियालदह के लिए रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि ट्रेन में कुल 23 कोच थे, जिनमें 21 पैसेंजर कोच और 2 वीपी पार्सल कोच शामिल थे। उन्होंने कहा कि घटना के तुरंत बाद त्रिपुरा स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) को हेल्पलाइन नंबरों के साथ सक्रिय कर दिया गया और अद्यतन जानकारी के लिए रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के लोगों को हर तरह की सहायता प्रदान करने के लिए त्रिपुरा भवन कोलकाता से एक विशेष टीम घटनास्थल पर भेजी गई है। टीम आज शाम तक घटनास्थल पर पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. डॉ. माणिक साहा के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया कि सभी घायलों के ईलाज का खर्च राज्य सरकार उठाएगी। साथ ही कहा कि त्रिपुरा के किसी व्यक्ति की होनेवाली दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु होने की स्थिति में राज्य सरकार पीड़ितों के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुबह से ही स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

मणिपुर हिंसा पर ...

में पिछले कुछ हफ्तों के बीच कई ताजा हिंसा देखने को मिली है। पिछले सप्ताह सशस्त्र उग्रवादियों ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के अग्रिम सुरक्षा दल के काफिले पर कांगपोकपी जिले में घात लगाकर हमला किया था, जिसमें एक नागरिक चालक और एक सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए थे। इससे पहले, शाह ने पिछले महीने मणिपुर का दौरा किया था और शांति स्थापित करने के लिए मेतेई और कुकी दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ नौ शांति बैठकें की थीं, हालांकि हिंसा में कोई कमी नहीं आई है।

विस चुनाव : तैयारी ...

बनी थी। जून 2018 में यह सरकार गिर गई। झारखंड-महाराष्ट्र और हरियाणा में अक्तूबर-नवंबर में चुनाव होने की संभावना है। अगर इन तीन राज्यों की मौजूदा स्थिति के बारे में बात करें तो हरियाणा में भाजपा की सरकार है। नायब सिंह सैनी राज्य के मुख्यमंत्री हैं। लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद इस बार कांग्रेस के हौसले बुलंद हैं। हरियाणा में इस बार उसने सरकार बनाने का दावा किया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 5 सीटों का नुकसान हुआ है जबकि कांग्रेस ने पांच सीटों पर जीत हासिल की। 2019 में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन की सरकार है। राज्य के मौजूदा सीएम चंपई सोरेन हैं। जमीन घोटाले मामले में जेल जाने के बाद इन्हें सीएम बनाया गया था। उधर, महाराष्ट्र में महायुति की सरकार है। राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। महायुति में भाजपा, शिंदे की शिवसेना, अजीत पवार गुट की एनसीपी शमिल हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में यहां एनडीए को बड़ा झटका लगा। एनडीए को केवल 17 सीटें मिलीं तो वहीं इंडिया गठबंधन ने 30 सीटों पर जीत हासिल की।

देशभर की जामा ...

में ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह छह बजे और फतेहपुरी मस्जिद में सवा सात बजे अदा की गई। फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने कहा कि कुर्बानी करते वक्त इस बात का ख्याल रखें कि किसी को उससे तकलीफ न हो। ईद-उल-अजहा पर पुरानी दिल्ली के बाजारों में रौनक है। रातभर पुरानी दिल्ली के बाजारों में भीड़ रही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संदेश में कहा है कि ईद-उल-जुहा के अवसर पर मैं सभी देशवासियों और विदेशों में रहने वाले भारतीयों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि ईद-उल-जुहा मनाते समय आइए हम एकता, दया और बंधुत्व के मूल्यों पर विचार करें जो न केवल इस त्योहार, बल्कि हमारे पूरे समाज की आधारशिला है। यह त्योहार परिवारों और समुदायों के लिए मिल जुलकर हर्षोल्लास और सद्भाव की भावना को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है।

ईवीएम की पूर्ण ...

ने कहा कि इवीएम को अचूक मानने से पहले चुनाव आयोग को यह आंकड़ा देना चाहिए कि पूरे चुनाव के दौरान कितनी ईवीएम खराब पाई गईं। उन्होंने कहा कि कितनी मशीनों ने गलत समय, तारीख वोट दर्ज किया है? कितने ईवीएम के घटकों (कंपोनेंट्स) काउंटिंग यूनिट, बैलेट यूनिट को बदला गया? मॉक मतदान के दौरान कितनी ईवीएम खराब पाई गईं? गोगोई ने एक्स पर यह भी कहा कि चुनाव लड़ने के बाद मैं भरोसे से कह सकता हूं कि इन मशीनों ने गलत परिणाम दिखाए हैं। मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग आंकड़ों को सामने रखेगा, क्योंकि जनता को जानने का अधिकार है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि मुंबई की उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट पर शिवसेना के उम्मीदवार के एक रिश्तेदार को चार जून को मतगणना के दौरा ईवीएम से कनेक्टेड मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया था। हालांकि, निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने रिपोर्ट को फर्जी बताकर खारिज किया और कहा कि समाचार पत्र के प्रकाशक को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईवीएम एक स्टैंड अलोन प्रणाली है। इसे रीप्रोग्राम नहीं किया जा सकता है और इसमें वायरलेस कनेक्टिविटी की क्षमता नहीं है।

वायनाड से प्रियंका ...

मिली थी। इसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे कि राहुल कौन सी सीट छोड़ेंगे। अब कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि राहुल रायबरेली से ही सांसद रहेंगे। साथ ही मल्लिकार्जुन खड़गे ने वायनाड से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने का एलान किया है। यह उनकी चुनावी राजनीति में एंट्री होगी। इससे पहले उन्होंने पार्टी के संगठन में पद संभाला था, लेकिन अब तक चुनाव नहीं लड़ा था।

भारत ने पिछले एक ...

संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने-अपने परमाणु शस्त्रागारों का लगातार आधुनिकीकरण कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी, 2024 में लगभग 12,121 हथियारों की कुल वैश्विक सूची में से लगभग 9,585 संभावित उपयोग के लिए सैन्य भंडार में हैं। लगभग 3,904 हथियार मिसाइलों और विमानों के साथ तैनात किए गए हैं। थिंक टैंक के अनुसार भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया सभी बैलिस्टिक मिसाइलों पर एक से अधिक वारहेड्स तैनात करने की क्षमता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह क्षमता रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन के पास पहले से ही है। रूस और अमेरिका के पास कुल परमाणु हथियारों का लगभग 90 प्रतिशत है। हालांकि रूस ने जनवरी, 2023 की तुलना में परिचालन बलों के साथ लगभग 36 अधिक वॉरहेड तैनात किए हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के मद्देनजर दोनों देशों में परमाणु बलों के बारे में पारदर्शिता में गिरावट आई है। रिपोर्ट में इस साल जनवरी में भारत के *संग्रहीत* परमाणु हथियारों की संख्या 172 बताई गई है, जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या 170 थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से ऐसा प्रतीत होता है कि भारत लंबी दूरी के हथियारों पर अधिक जोर दे रहा है, जिसमें पूरे चीन में लक्ष्यों तक पहुंचने में सक्षम हथियार भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपनी सेनाओं को किस प्रकार संरचित करता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने पिछले एक साल में 8 नए परमाणु बम बनाए हैं। पाकिस्तान ने पिछले एक साल में कोई नया परमाणु बम नहीं बनाया है। दुनियाभर में हथियारों की दौड़ पर निगाह रखने वाली स्वीडन के थिंक टैंक सीपरी निदेशक डैन स्मिथ के मुताबिक दुनियाभर में ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

पेपर लीक के ...

प्रक्रिया चल रही है। इस तरह 5 लाख 17 हजार सरकारी पदों पर नियुक्ति के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना भेजी जा चुकी है या भेजी जानी है। सरकार ने साल 2024-25 तक ये भर्तियां पूरी करने का लक्ष्य रखा गया गया है। अगले साल 72 हजार और रिक्तियां होने का अनुमान है, इसकी अधियाचना अगले साल भेजी जाएगी। सरकारी नौकरियों को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि हमने 17 महीनों में 5 लाख नौकरियां देने के अलावा सभी विभागों में रिक्तियों को भरने के आदेशानुसार उस वक्त तक 3 लाख से अधिक नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई थी। हमने सरकार को चेतावनी दी थी कि आचार संहिता हटते ही पूर्व से ही विज्ञापित तीसरे चरण में 1 लाख शिक्षकों की यथाशीघ्र भर्ती के अलावा 3 लाख से अधिक रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाए। जब तक बिहार के युवाओं को 10 लाख नौकरियों का कमिटमेंट पूरा नहीं करेंगे, न चैन से बैठेंगे और न सरकार को बैठने देंगे। इससे पहले पेपर लीक के खिलाफ कानून लाने का ऐलान योगी आदित्यनाथ ने नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार भी कर चुकी है। सीएम योगी दो टूक कह चुके हैं कि परीक्षाओं की शुचिता के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया होगा। सरकार जो कानून लाने जा रही है उसमें पेपर लीक कराने वालों और सॉल्वर गैंग के खिलाफ सख्त सजा का प्रावधान होगा।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था ...

के विकास में कृषि का विशेष स्थान है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उसकी आत्मा किसान है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने ने कहा कि कृषि के विकास और किसानों के कल्याण के लिए सतत काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेती के विकास और किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, उन योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ने का काम किया जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि 18 जून को प्रधानमंत्री मोदी काशी में आयोजित कार्यक्रम में देश के किसानों के खाते में लगभग 20 हजार करोड़ रुपए किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित करेंगे। उन्होंने कहा कि खेती का तेजी से विकास हो और किसान आगे बढ़े, इसके लिए 100 दिन की कार्य योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास भी सरकार की प्राथमिकता है और पहली कैबिनेट बैठक में ही प्रधानमंत्री मोदी ने तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण क्षेत्रों में बनाने का निर्णय लिया, ताकि गरीबों का खुद के पक्के मकान का सपना पूरा हो सके। इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव, जिला भाजपा अध्यक्ष रवि मालवीय तथा सलकनपुर ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

तापमान
अधिकतम 31^0
न्यूनतम 25^0

असम के कई जिलों में बिजली गिरने, तेज हवा तथा बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), गुवाहाटी ने असम के बजाली, बाक्सा, बरपेटा, बंगाईगांव, कछार, चिरांग, धुबड़ी, डिमा हसाओ, ग्वालपाड़ा, हैलाकांदी तथा कामरूप जिले में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ बिजली गिरने के साथ तूफान का पूर्वानुमान जारी किया है। जारी की गई चेतावनी के मद्देनजर असम सरकार द्वारा प्रशासन तथा अन्य संबंधित विभागों को सावधान रहने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि बीते एक सप्ताह से असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में रह रहकर हो रही बारिश के कारण व्यापक भूस्खलन तथा बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ब्रह्मपुत्र तथा इसकी सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। असम समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में सड़क एवं रेल संपर्क भी बाधित हुआ है।

सीएम डॉ. शर्मा ने जीएमसीएच का किया निरीक्षण

मातृ एवं शिशु अस्पताल विंग के निर्माण की प्रगति का लिया जायजा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सोमवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में पहुंचे और 375 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे मातृ एवं शिशु अस्पताल विंग के निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। यह विंग बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर को छोड़कर 8 मंजिलों का है। इसका कुल निर्माण क्षेत्र 56,840 वर्ग मीटर है। इसके बाद डॉ. शर्मा ने एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और जीएमसीएच अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के रिक्त पदों को भरने, कर्मचारियों की भर्ती, क्षमता विस्तार आदि से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री

डॉ. शर्मा ने कहा कि उनके दौरे का उद्देश्य जीएमसीएच के निर्माणाधीन *मातृ एवं शिशु विंग* के निर्माण की प्रगति को देखना और इसके फ्लोर-प्लान का प्रत्यक्ष विचार करना था। उन्होंने कहा कि जीएमसीएच में इलाज के लिए आने वाले रोगियों की बढ़ती संख्या के कारण मातृ एवं शिशु चिकित्सा मामलों के लिए पूरी तरह समर्पित विंग की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। डॉ. शर्मा ने कहा कि मातृ एवं शिशु अस्पताल, कार्यात्मक होने पर जीएमसीएच की क्षमता और दक्षता बढ़ाने में बहुत योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु अस्पताल का लगभग 70 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष 30 फीसदी अप्रैल 2025 तक या उससे पहले पूरा होने की संभावना है। राज्य में एक मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली के महत्व के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य कैंसर संस्थान और जीएमसीएच का कार्डियोथोरेसिक और न्यूरोसाइंस केंद्र आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सस्ती और सुलभ बनाने में बहुत योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि जीएमसीएच के सुपर-स्पेशियलिटी विभागों सहित विभिन्न विभागों को अपनी समर्पित इमारतें मिलनी शुरू हो गई हैं, इसलिए वर्तमान *मुख्य* इमारत में अंततः केवल तीन विभाग ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि इससे मरीजों की भीड़ कम होगी और मरीजों और आगंतुकों के बीच संक्रमण का प्रसार कम होगा। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को राज्य के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में रिक्त संकाय पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने जीएमसीएच अधिकारियों को अपनी दैनिक ऊर्जा जरूरतों के लिए पारंपरिक बिजली से सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली में बदलाव करने की भी सलाह दी। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. सिद्धार्थ सिंह, जीएमसीएच के प्राचार्य डॉ. अच्युत चंद्र बैश्य सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एपीपीएससीई की नई एसओपी तैयार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) की नई टीम ने अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा (एपीपीएससीई) की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर ली है और एक सप्ताह के भीतर एसओपी को वेबसाइट के जरिए सार्वजनिक किया जाएगा। यह जानकारी टीम टेची राणा के सदस्यों ने सोमवार को अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए सदस्य मार्गी कामनी ने दी। उन्होंने कहा कि हम एपीपीएससी पेपर लीक मामले और पैन अरुणाचल संयुक्त संचालन समिति के मद्दजेनजर बीते 14 जून को हमने एपीपीएससी कार्यालय का दौरा किया और अध्यक्ष सहित एपीपीएससी के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि नई एसओपी तैयार है और, बहुत जल्द इसे सार्वजनिक किया जाएगा। अरुणाचल प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार होगा कि एपीपीएससी, एसओपी सार्वजनिक डोमेन में होगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने एपीपीएससी पेपर लीक घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता को लेकर एपीपीएससी के पूर्व उप सचिव और परीक्षा उप नियंत्रक ताकेत जेरांग के खिलाफ आधिकारिक जांच शुरू कर दी है जिसके लिए पिछले 05 मई को ऊर्जा विभाग के आयुक्त अंकुर गर्ग के तहत एक जांच कमेटी स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा से संबंधित मुद्दों के समय पर निराकरण के लिए शिकायत निवारण समिति के स्थायी सदस्यों के संबंध में भी पहल की गई है और टीम बनाई गई है। इसके अलावा, तेची राणा, जिन्होंने हाल ही में संसदीय चुनावों में संसद सदस्य (अरुणाचल-पश्चिम) सीट के लिए चुनाव लड़ने वाले ने जनता के अटूट समर्थन और विश्वास के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया।

नगांव में फिर बाढ़ का खतरा जिला प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

नगांव (हिंस)। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण नगांव सदर राजस्व क्षेत्र के लोग एक बार फिर बाढ़ की आशंका से दहशतजदा हैं। बारिश के कारण कामपुर में कपिली का जलस्तर जिस तरह से बढ़ रहा है, वह एक बार फिर बाढ़ का सबब बन सकता है। कुछ दिन पहले ही नगांव जिले के कामपुर, रोहा और नगांव सदर राजस्व क्षेत्र का बड़ा हिस्सा बाढ़ की चपेट में आ गया था। बाढ़ का पानी उतरते ही बाढ़ प्रभावित लोग अपने घरों को लौट गए थे लेकिन अब इस राजस्व चक्र में लोग फिर से बाढ़ के डर से चिंतित हैं। शनिवार से हो रही लगातार बारिश के कारण इलाके में फिर से बाढ़ आने की आशंका है। कामपुर में कपिली का जलस्तर कम हुआ था लेकिन आज कपिली का जलस्तर काफी बढ़ गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा रविवार की शाम उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार कामपुर में कपिली नदी 60.31 मीटर से ऊपर बह रही है। कामपुर में कपिली के जलस्तर का खतरे का निशान 60.50 मीटर है। वर्तमान समय में कपिली नदी खतरे के निशान से केवल 19 सेमी नीचे बह रही है लेकिन रात तक जलस्तर बढ़ने की आशंका है। अगर बारिश जारी रहती है तो नगांव के कामपुर इलाके में फिर से बाढ़ आने की आशंका है। इस बीच, नगांव जिला प्रशासन ने कामपुर के बाकुलगुड़ी, गारोखुंदा, साइबुक गांव और गोसाईगांव में नदी के तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट रहने की चेतावनी जारी की है।

चारद्वार में भीषण सड़क हादसा, एक की मौत, छह घायल

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर के चारद्वारा में रविवार को भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने आज बताया कि यह हादसा रविवार की रात उस समय हुआ जब भालुकपुंग से आ रहे टेंपो वाहन (एएस-12ई-9543) ने सड़क पर खड़े ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। जिससे टैंपो में सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टैंपो में सवार छह लोग घायल हो गए। पता चला है कि टैंपो में सवार लोग भालुकपुंग से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। आरोप है कि ट्रैक्टर अवैध रूप से बालू ले जा रहा था। मृतक की पहचान जॉन कलिता के रूप में हुई है। जबकि, गंभीर रूप से घायलों में गौतम दास, दीपांकर दास, लुकुमणि डेका, सुशील बोरा, दिगंत दास और नयनज्योति दास शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को तेजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर किया गया।

सीमा सड़क संगठन ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उत्तरी सिक्किम में संपर्क बहाल किया

गंगटोक। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उत्तरी सिक्किम में संपर्क बहाल करने का विशाल कार्य करके एक बार फिर अपनी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। समर्पण और दक्षता का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए, बीआरओ ने मंगन जिले में विभिन्न सड़कों पर कई भूस्खलन को साफ करने के लिए कई भारी मशीनरी और सैकड़ों मजदूरों को तैनात किया। 11 जून से लगातार हो रही बारिश ने उत्तरी सिक्किम में कहर बरपाया है। अभूतपूर्व भारी बारिश के कारण उत्तरी सिक्किम की ओर जाने वाली सड़कों जैसे डिकचू-संकलंग-टूंग, मंगन-संकलंग, सिंगथम-रंगरंग और रंगरंग-टूंग पर कई भूस्खलन और दरारें आई हैं, जिससे इस क्षेत्र से संपर्क टूट गया है। नतीजतन, उत्तरी सिक्किम में लगभग 1200-1500 पर्यटक फंसे हुए हैं। संकलंग में नवनिर्मित सस्पेंशन ब्रिज के ढहने के बाद स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई, जो उत्तरी सिक्किम और द्ज़ोंगू क्षेत्र को जोड़ने वाला मुख्य पुल था। बीआरओ ने त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया में संकलंग-टूंग रोड पर कई

स्लाइडों को साफ कर दिया है, जिससे यह हल्के वाहनों के लिए यातायात के योग्य हो गया है। इसी तरह, मंगन-चुंगथांग रोड पर नागा और लंथाखोला के बीच सड़क के हिस्से को साफ कर दिया गया है और इसे यातायात के योग्य बना दिया गया है। हालांकि, पारंपरिक स्लाइड पॉइंट लंथाखोला और राफंगखोला में महत्वपूर्ण दरारें लगातार चुनौतियां पेश कर रही हैं। इन बिंदुओं पर जल्द से जल्द वाहनों की कनेक्टिविटी बहाल करने के लिए भारी उपकरण तैनात किए गए हैं। इस बीच, इन टूटी हुई जगहों पर पैदल संपर्क स्थापित करने के लिए एक लॉग ब्रिज का निर्माण किया गया है। बीआरओ के अथक प्रयास उत्तरी सिक्किम से फंसे पर्यटकों को जल्द से जल्द बचाने पर केंद्रित हैं। 50 फंसे हुए पर्यटकों के पहले जत्थे को चुंगथांग से मंगन तक सफलतापूर्वक निकाला गया है। प्रोजेक्ट स्वस्तिक के कर्मियों ने खराब मौसम की बाधाओं को दरकिनार करते हुए, पर्यटकों को सड़क मार्ग से निकालने के लिए राज्य प्राधिकारियों के साथ निकट समन्वय स्थापित किया है।

बंगाईगांव मारवाड़ी समाज ने सांसद फनी भूषण चौधरी का किया अभिनंदन

बंगाईगांव। मारवाड़ी सम्मेलन, बंगाईगांव शाखा, मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा, मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच,जागृति शाखा के तत्वाधान में रविवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में समग्र बंगाईगांव मारवाड़ी समाज के द्वारा बंगाईगांव के पूर्व विधायक तथा बरपेटा लोकसभा क्षेत्र के नव निर्वाचित सांसद फनी भूषण चौधरी का अभूतपूर्व नागरिक अभिनंदन किया गया। माननीय सांसद फनी भूषण चौधरी के साथ चारों संस्थाओं के अध्यक्ष क्रमश: राजेंद्र कुमार हरलालका, पीयूष सुराणा, श्रीमती मंजू दुग्गड़, श्रीमती संजू भंसाली के अलावा समाज के विशिष्ट समाजसेवी प्रेमनाथ हरलालका तथा श्री अखय चंद बैद को स-सम्मान मंनचासीन कराया गया। मंनचासीन अतिथि के अलावा मंच पर उपस्थित सभी पदाधिकारीयों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद श्रीमती मंजू दुग्गड़ ने माननीय विधायक का स्वागत करते हुए उनकी जीवनी पर संक्षिप्त प्रकाश डाला एवं श्रीमती सुमित्रा सेठी के साथ स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा के शाखा अध्यक्ष राजेंद्र कुमार हरलालका ने अपना संबोधन सभा में रखा। उन्होंने नव निर्वाचित सांसद की राजनीति यात्रा के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला एवं उनकी कार्यशैली की प्रशंसा की। उनके द्वारा किए गए विभिन्न उनयनमूलक कामों की भी प्रशंसा की। इसके बाद मुख्य स्वागत समारोह शुरु हुआ जिसमें आयोजक शाखाओं के अलावा मारवाड़ी समाज के विभिन्न घटकों की प्रतिनिधि संस्थाओं ने भी अपने उपस्थित सभी सदस्यगण के साथ सांसद महोदय का अभिनंदन किया। सम्मेलन की ओर से सांसद महोदय का अध्यक्ष राजेंद्र कुमार हरलालका ने फूलाम गमछा व सप्रेम भेंट देकर, सचिव अजीत सिंह भंसाली एवं सदस्यों ने सोल भेंट कर तथा विशिष्ट

समाजसेवी प्रेमनाथ हरलालका एवं अखय चंद बैद ने राधा कृष्ण भगवान की प्रति छवि भेंठ कर अभिनंदन किया गया वहीं दूसरी तरफ मारवाड़ी युवा मंच की ओर से अध्यक्ष श्री पीयूष सुराणा एवं सचिव धीरज शर्मा ने सदस्यों के साथ फूलाम गमछा व गुलदस्ता भेंठ कर सम्मान किया। मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा की ओर से अध्यक्षा श्रीमती मंजू दुग्गड़ तथा डॉक्टर सुधा अग्रवाल ने फूलाम गमछा, गिफ्ट हैंपर से सम्मानित किया तथा जागृति शाखा की ओर से अध्यक्षा श्रीमती संजू भंसाली एवं सचिव श्रीमती नीलम अग्रवाल ने फूलाम गमछा से तथा युवा मंच के सभी सदस्यों ने सराइ प्रदान कर सांसद महोदय का सम्मान किया। सम्मान करने वाली बंगाईगांव मारवाड़ी समाज की विभिन्न संस्थाओं में जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, अग्रवाल समाज सभा, अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा, अग्रवाल युवा परिषद, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा (दक्षिण), तेरापंथ महिला मंडल (दक्षिण), तेरापंथ युवक परिषद (दक्षिण), श्री साधु मार्गी जैन संघ, सकल दिगंबर जैन समाज, दिगंबर जैन महिला मंडल, महेश्वरी सभा, महेश्वरी महिला शाखा, मारवाड़ी विप्र समाज, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, प्रगतिशील नवयुवक संघ, श्री हनुमान सेवा समिति, श्री सालासर दरबार, श्री जैन श्वेतांबर संभावनाथ मंदिर ट्रस्ट के अलावा सांसद महोदय के बचपन के सहपाठी तथा गुवाहाटी से पधारे डॉक्टर नटवरलाल अग्रवाल आदि प्रमुख थे। सम्मान समारोह के बाद माननीय सांसद फनी भूषण चौधरी ने उपस्थित मारवाड़ी समाज के सदस्यों को संबोधित किया।

चार करोड़ से अधिक मूल्य के ड्रग्स समेत दो तस्कर गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के आमगुड़ी इलाके से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर भारी मात्रा में ड्रग्स समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आमगुड़ी नगर के चार नंबर वार्ड के बरबाम ग्राउंड इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक ट्रक (एलएल-06ए-5844) से 401 साबुनदानी में छुपा कर रखे गए ड्रग्स बरामद किया गया। ड्रग्स को ट्रक के अंदर बड़े ही चालाकी से एक अलग चैंबर बनाकर छुपाया गया था। इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान सुशील भूमिज और खेमराज रिजाल के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपित ड्रग्स को मणिपुर से से नगालैंड और जोरहाट में तस्करी करने के लिए लाया था।

रंगिया में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगीया के आरिमत्तो ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के सौजन्य से 72 नंबर के गुवाहाटी बुनियादी विद्यालय प्रांगण में सोमवार को गुवाहाटी मारवाड़ी अस्पताल द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजन किया गया। आयोजित इस शिविर में खराब मौसम के बावजूद भी सौ से भी अधिक लोगों ने उपस्थित होकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इसके पूर्व शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में आरिमत्तो ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के अध्यक्ष कामिनी भुइयां के साथ गोलोक चंद्र तालुकदार, शुक्लेश्वर कलिता, यादव कुमार कलिता, नगेन चंद्र बोड़ो, नारायण बोड़ो, शैलेन बोड़ो सहित बहुत से लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव कंदर्प शर्मा ने किया। शिविर में चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ नि:शुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।

ईद उल अजहा की नमाज पढ़ी गई

गुवाहाटी। जिसकी जानकारी मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी समाज सेवी व जनरल सेक्रेटरी जामा मस्जिद धरफरी के द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई है। भारी वर्षा के कारण आज गुवाहाटी के ईदगाहों के बजाए सभी मस्जिदों व मदरसों में नमाज अता की गई। जैसे जामा मस्जिद इस्लाम पुर गुवाहाटी, आमबाड़ी बुढ़ा मस्जिद, आठगांव कब्रिस्तान मस्जिद, हाथी गांव सिजूबाड़ी, हिदायत पुर, लखटकिया, माच्छख्वा, फैंसी बाजार, पलटन बाजार, भंगाघर इत्यादि जगहों पर ईद उल अजहा (बकरीद) की नमाज अता की गई। आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि यह पर्व कुर्बानी यानी बलिदान के रुप में मनाई जाती है। मुस्लिम समुदाय के लोगों के मुताबिक व मुस्लिम धर्मावलंबियों के अनुसार अल्लाह को राजी करने के लिए हजरत इब्राहिम अलैही इस्लाम ने अपने जिगर के टुकरे यानी अपने बेटे हजरत इस्माइल अलैही इस्लाम को कुर्बानी के लिए अल्लाह के हवाले कर दिए और जैसे ही कुर्बानी देनी चाहिए

वहां एक दुंबा जबह हो गया और इस्माइल अलैही इस्लाम बच गए। और इब्राहिम अलैही इस्लाम की कुर्बानी कबुल हो गई। मुस्लिम समुदाय के लोग प्रत्येक वर्ष इस पर्व को कुर्बानी के तौर पर ईद उल अजहा यानी बकरीद के रुप में मनाते हैं। और सभी लोग अपने-अपने गिले शिकवे भुला कर-इस मौके पर एक दूसरे से गले मिलते हैं और नए-नए कपड़े पहनते हैं तथा मिठाईयां व सेवईयां खाते हैं। समाज सेवी मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी व मुस्लिम समुदाय के लोगों के तरफ से देश वासियों को ईद उल अजहा (बकरीद) पर्व की हार्दिक मुबारक बाद व ढेरों सारी बधाइयां व शुभकामनाएं।

नगांव में आयोजित महेश नवमी सोल्लास संपन्न

नगांव (निसं)। माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित महेश नवमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ समग्र देश के साथ नगांव में भी शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में मनाया गया। नगांव जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में और माहेश्वरी महिला समिति नगांव, माहेश्वरी युवा संगठन नगांव के सहयोग से एक दिवसीय महेश नवमी उत्सव के दौरान सर्वप्रथम भगवान महेश का दरबार सजाया गया और पंडित सुशील शर्मा के सानिध्य में पूजा अर्चना के साथ सभी ने बाबा भोलेनाथ की आराधना कर आरती की। इस वक्त आयोजन स्थल भगवान महेश के जयकारो से गुंज उठा। मुख्य यजमान रहे शर्मिला-अजित माहेश्वरी ने सपत्नीक पूजा विधि संपन्न करवाई। भजन कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश वंदना से नगांव जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व सचिव अजित माहेश्वरी ने किया। तत्पश्चात माहेश्वरी युवा संगठन नगांव की सदस्य व सदस्याओ ने महेश वंदना प्रस्तुत की। जिसमे युवा संगठन की सचिव पूजा माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष हिमांशु मनिहार, विशाखा धूत, मुस्कान झंवर, गौरव मंत्री, नैना पेड़ीवाल व यश काबरा प्रमुख थे। स्थानीय गायिका कुमकुम सोनी, पूजा बिहानी, श्याम और यश झंवर ने भी भजन प्रस्तुत कर माहौल

को भक्तिमय बना दिया। भजन व लोक गीतो पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति यथार्थ कर्वा, गर्वित मुंदड़ा, गौरांश झंवर, रौनक बिहानी, तनीष्क झंवर, काव्या बिहानी, रीट झंवर, मेहा सोनी, नक्षिता मुंदड़ा, व आयुषी मुंदड़ा दी। अन्य एक ग्रुप नृत्य में नैना पेड़ीवाल, अन्नु तोषनीवाल, मुस्कान झंवर व भाविका झंवर ने प्रस्तुत कर शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनो नृत्य की सुंदर प्रस्तुति के बाद दांतो तले अंगुली दबाने वाले महिलाओ के एक ग्रुप नृत्य को देखकर महेश नवमी उत्सव 2024 एक यादगार बन गया। इस ग्रुप नृत्य में राजस्थान की गाथा के साथ राजस्थान में स्थित धार्मिक स्थलो का समावेश किया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित लोगो ने तीनो नृत्य प्रस्तुति के लिए सभी नृत्यांगनाओ की खूब सराहना की। नृत्य की कोरियोग्राफी पूजा माहेश्वरी व मुस्कान झंवर ने संयुक्त रूप से की और पूजा माहेश्वरी ने नृत्य कार्यक्रम का संचालन किया। महिलाओ के ग्रुप नृत्य की प्रस्तुति वंदना पेड़ीवाल, हेमा झंवर, कुमकुम सोनी, सारिका झंवर, डिंपल दरक, रुचि पेड़ीवाल, नीतू धूत, सपना पेड़ीवाल, पूनम धूत, सोनाली काबरा, सुलोचना मुंदड़ा, कविता मुंदड़ा, व नेहा मुंदड़ा ने की। खुशबु पेड़ीवाल को एडवोकेट बनने के लिए, नंदिनी राठी को चिकित्सक बनने के लिए,और साक्षी बिहानी को सीए बनने के लिए अभिनंदन किया गया। अन्य शैक्षणिक योग्यता के लिए विधि धूत व नैना पेड़ीवाल को (दसवीं सीबीएससी), मुस्कान झंवर (बारवहीं वाणिज्य संकाय) और तुषार पेड्वाल, (बारहवीं वाणिज्य संकाय), महक झंवर (बारवहीं वाणिज्य संकाय), अनमोल पेड़ीवाल (बारहवीं वाणिज्य संकाय) परिधि बिहानी (बारहवीं वाणिज्य संकाय) वैभव मुंदड़ा (बारहवीं वाणिज्य संकाय) मनीषा लड्ढा (बरहवीं वाणिज्य संकाय) कोमल राठी (बरहवीं वाणिज्य संकाय) व डिंपल झंवर (बारहवीं कला संकाय) को प्रशस्तिपत्र, फुलाम गोमछा व गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष बुजुर्ग महिला सम्मान श्रीमती कमला देवी मुंदड़ा व बुजुर्ग पुरुष सम्मान राधेश्याम सोनी को प्रदान किया गया। सम्मान में प्रशस्तिपत्र, साल, फुलाम गोमछा प्रदान किया गया। महेश नवमी उत्सव कार्यक्रम के बीच में अजित माहेश्वरी द्वारा प्रश्नोत्तरी का संचालन किया जिस पर सही जबाब देने वालो को तुरंत पुरस्कृत किया गया।

संपादकीय

अल्पमत नहीं, बहुमती सरकार

रायसीना हिल्स की सत्ता स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन 'अल्पमत' में थी। तब गठबंधन के सहयोगी दलों के समर्थन के बूते पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बन पाए थे। उसके बाद सरकार को बचाए रखने के लिए कांग्रेस को सांसदों की खरीद-फरोख्त करनी पड़ी थी। देश के प्रधानमंत्री को 'अभियुक्त' बना दिया गया था और केस चलाने के लिए विशेष अदालत बनाई गई थी। 2004 में लोकसभा में कांग्रेस के 145 सांसद जीत कर आए और तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा 138 सांसदों के साथ 'पराजित पार्टी' थी। बहुमत के आंकड़े से दोनों ही पक्ष बहुत दूर थे। गठबंधन का एक तम्बू तैयार किया गया और उसके नीचे समधर्मा राजनीतिक दल लामबंद हुए। तब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बन सकी। खूब विरोधाभास थे, सरकार ने लगातार हिचकोले खाए, परमाणु करार पर वाममोर्चे के सांसदों ने समर्थन वापस तक ले लिया। मनमोहन सरकार अल्पमत में आकर लडख़ड़ाई। तब मुलायम सिंह की सपा के 39 सांसदों और अन्य का जुगाड़ करना पड़ा। मनमोहन सरकार गिरते-गिरते बची। 2009 में भी कांग्रेस 206 सांसदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। एक बात स्पष्ट कर दें कि परंपरानुसार राष्ट्रपति सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को ही सरकार बनाने का पहला न्योता देते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भाजपा 161, 182, 182 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वाजपेयी ने ही विभिन्न समधर्मी दलों को साथ मिला कर एनडीए का गठन किया था। बेशक आज एनडीए की संरचना बदल चुकी है, लेकिन मूल गठबंधन वही है। तेलुगूदेशम पार्टी, जद-यू, शिवसेना सरीखे दल तब भी साथ थे और अंततः आज भी गठबंधन के घटक दल हैं। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने 1998-2004 तक सुखद, सौहार्द, समन्वय के साथ सफल गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया। कांग्रेस और भाजपा के इन तमाम संदर्भों में बहुमत का जनादेश किसी के भी पक्ष में नहीं था, लिहाजा गठबंधन सरकारें बनीं और पूरे स्थायित्व के साथ अपने-अपने कार्यकाल सम्पन्न किए। अब सवाल है कि आज मोदी सरकार, विपक्ष के नजरिए से, अल्पमत की और अस्थिर सरकार क्यों है? संसद का सत्र जल्द ही शुरू हो रहा है। इसी 26 जून को स्पीकर का चुनाव होना है। चूंकि विपक्ष के पास अपेक्षाकृत आंकड़े काफी हैं, लिहाजा वह स्पीकर का उम्मीदवार उतारने के बयान दे रहा है। पूरा विपक्ष एक तरफ हो जाए और दूसरी ओर अकेली भाजपा को रखा जाए, तब भी विपक्ष पराजित हो जाएगा। सौदेबाजी के मद्देनजर कथित 'इंडिया' ने डिप्टी स्पीकर के पद की मांग शुरू की है। यह निर्णय सरकार को लेना है। खुशफहमी में न रहें, लिहाजा जद-यू और टीडीपी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्पीकर भाजपा तय करेगी, क्योंकि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी है। स्पीकर का चुनाव ही तय कर देगा कि मोदी सरकार अल्पमत में है या उसका स्पष्ट बहुमत है। यकीनन सरकार के सामने खूब चुनौतियां होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अपना एकाधिकारवादी रुख भी बदलना पड़ सकता है। कैबिनेट से तो उन्होंने साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार पर सवाल नहीं किया जा सकता। फिलहाल मोदी सरकार 'अल्पमत की सरकार' नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन 'अल्पमत' में थी।

पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं

अब नौकरियों की बड़ी चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी।

यकीनन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी, जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वल्र्ड बैंक के मुताबिक भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निःसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढक़र 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढक़र चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढऩा होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतः एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएम-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यूए और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं। अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढऩे से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं, ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढऩा होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढऩा होगा। इससे देश की युवा श्रमशक्ति विदेशों में अधिक रोजगार के साथ अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई भी कर सकेगी। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी। हम उम्मीद करें कि मोदी सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और कौशल विकास व उद्यमिता राज्यमंत्री जयंत चौधरी 142 करोड़ से अधिक आबादी के साथ दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी को नए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित करके उनके चेहरों पर रोजगार की मुस्कुराहट देने के साथ आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के लिए नई कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे।

दृष्टि कोण

राष्ट्रीय विवेचन : जंगलों का हमदर्द बनने की जरूरत

पूरे ब्रह्मांड में प्राकृतिक दुनिया की सबसे बेशकीमती व खूबसूरत संपदा पेड़ पौधों से लबरेज वन हैं। प्राचीन काल से वन्य क्षेत्र जंगली जानवरों व मानवता के लिए अनमोल प्राकृतिक संसाधन रहे हैं। देश की सियासत व तमाम इंतजामिया हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में मशगूल थे, मगर हिमाचल सहित कई अन्य राज्यों में जंगल दावानल की चपेट में आ चुके थे। नब्बे प्रतिशत से अधिक जैव विविधता जंगलों में ही पाई जाती है। लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के प्रति जागरूकता तथा पर्यावरण की अहमियत को समझाने के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर वर्ष पर्यावरण दिवस व पृथ्वी दिवस मनाए जाते हैं। जंगली जीवों के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए तीन मार्च को 'विश्व वन्य जीव' दिवस भी मनाया जाता है। जंगलों व पेड़ों के महत्व के मद्देनजर सन-1950 से वन महोत्सव तथा वन संरक्षण से संबधित अतरराष्ट्रीय वन दिवस भी मनाया जाता है। पर्यावरण व वन संरक्षण के लिए देश की अदालतों में एक बड़ा कानूनी मसौदा मौजूद है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण व प्रशासन जैसी व्यवस्थाओं के दफ्तरों में अंग्रेजी झाडऩे वाली अफसरशाही तथा सैकड़ों अहलकार विराजमान हैं। राज्यों से लेकर मरकजी हुकूमत तक पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मौजूद हैं। लेकिन इसे इत्तेफाक कहें या व्यवस्थाओं की नाकामी, हर वर्ष जंगलों में लगने वाली भयंकर आग से निपटने के लिए कोई भी हिकमत-ए-अमली कारगर साबित नहीं हुई। बल्कि वनाग्नि की घटनाओं में हर वर्ष इजाफा हो रहा है। चुनावी दौर में मुल्क की आवाम गुरबत, जाति, मजहब, मुफ्तखोरी की खैरात, नौकरियां व विकास जैसे मुद्दे उठाने के प्रति जागरूक है। मगर पर्यावरण संरक्षण व जंगलों की भयंकर आग जैसे संवेदनशील मसले पर आवाज कभी बुलंद नहीं होती। लोकसभा चुनावों के दौरान सियासी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। लेकिन पर्यावरण संरक्षण व जलते जंगलों का जिक्र किसी भी सियासी मंच से नहीं हुआ। पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा कभी चुनावी घोषणापत्रों में भी शामिल नहीं हुआ। वनाग्नि के मसले पर सियासी तौर पर भी कभी चर्चा नहीं हुई। भारत में 'राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण' (एनजीटी) को 'पर्यावरण अदालत' कहा जाता है। एनजीटी को उच्च न्यायालय के बराबर शक्तियां प्राप्त हैं। सन-2010 में एनजीटी की स्थापना का मकसद पर्यावरणीय क्षति व वन संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मुद्दों को शीघ्रता से हल करने से है। आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के बाद पर्यावरण न्यायाधिकरण की स्थापना करने में भारत विश्व में तीसरा देश है। दुनिया के सबसे बड़े वन क्षेत्रों वाले दस देशों में भारत भी शामिल है, मगर दावानल की भयंकर चपेट में आने से जंगल, पर्यावरण व जैव विविधता जिस कदर सिसकियां भर रहे हैं, उस सूरत-ए-हाल को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। जंगल आग की चपेट में आ रहे हैं। देश में हजारों उद्योग व फैक्टरियां लगातार प्रदूषण उगल रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों व शहरों में ज्यादातर लोग प्रदूषण की जद में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। हिमाचल प्रदेश का नाम सुनते ही जहन में पहाड़ों व वनों की तस्वीर उभरती है। पर्वतीय राज्य हिमाचल में पर्यटन उद्योग युवावर्ग के लिए रोजगार का महत्त्वपूर्ण साधन है। मैदानी क्षेत्रों व शहरों से हजारों की तादाद में लोग भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए तथा सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहाड़ों का रुख करते हैं। प्रकृति से सराबोर जंगल पर्यटन उद्योग के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। मगर बरसात के मौसम में प्रकृति के प्रकोप से पहाड़ दरक रहे हैं। गर्मियों में जंगल भीषण आग से जल रहे हैं। कई जंगली जीवों व पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों का प्रजनन काल गर्मी के मौसम में होता है, परन्तु प्रतिवर्ष असंख्य वन्य जीव व जंगली जानवर वनों की भयानक आग में जलकर राख हो जाते हैं। वनों में आगजनी की बढ़ती घटनाओं से वन्य जीवों व पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों का वजूद मिट चुका है। औषधीय वनस्पति से लबरेज वनों का आयुर्वेदिक पद्धति में भी अत्यधिक महत्त्व रहा है, मगर वनाग्नि से कई किस्म की औषधीय वनस्पति का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। यदि अमूल्य वन संपदा वनाग्नि की भेंट चढ़ जाएगी, तो पर्यावरण के साथ पर्यटन उद्योग भी मुतासिर होगा। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर काबू पाने का मुफीद विकल्प पेड़ों से लबरेज वन्य क्षेत्र हैं। वन्य क्षेत्र के बिना स्वच्छ पर्यावरण, जैव विविधता व जंगली जीवों के वजूद की कल्पना नहीं की जा सकती। वनों में आग लगने की घटनाओं पर देश के न्यायालय, पर्यावरणकर्ता व सरकारें चिंता जरूर व्यक्त करती हैं, जबकि प्रकृति को सबसे अधिक नुकसान मानवीय गतिविधियों से ही पहुंचता है। जंगलों में आग लगने के ज्यादातर कारण मानवीय लापरवाही के हैं। भयंकर दावानल पर काबू पाना लगभग नामुमकिन है। अलबत्ता सामाजिक तौर पर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है, ताकि जंगलों में आग न लगाई जाए। वनों के लगातार जलने से इस धरा पर समस्त प्राणियों का जीवन असम्भव हो जाएगा। वनाग्नि से अमूल्य वन सम्पदा व जंगली जीवों तथा पक्षियों के जलने का दर्द समझना होगा। प्राचीन भारत के अनुसंधान का केन्द्र रहे वन्य क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य का सबसे बड़ा रक्षा कवच हैं। भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से वनों का आध्यात्मिक, आर्थिक एंव सांस्कृतिक महत्व रहा है। वैदिक साहित्य के रचयिता हमारे मनीषियों के चिंतन, ध्यान साधना, अध्यात्म, दर्शन व शोध का केन्द्र वन्य क्षेत्र ही रहे हैं। आधुनिक दौर के पर्यावरण संरक्षण के आयोजनों व मंत्रालयों के बिना प्रकृति को सहेजने के कई उत्सव व संस्कार प्राचीन भारत की वैदिक संस्कृति व सामाजिक परिवेश में मौजूद थे।

कुछ अलग

डेटा सुरक्षा में बड़ी सेंध

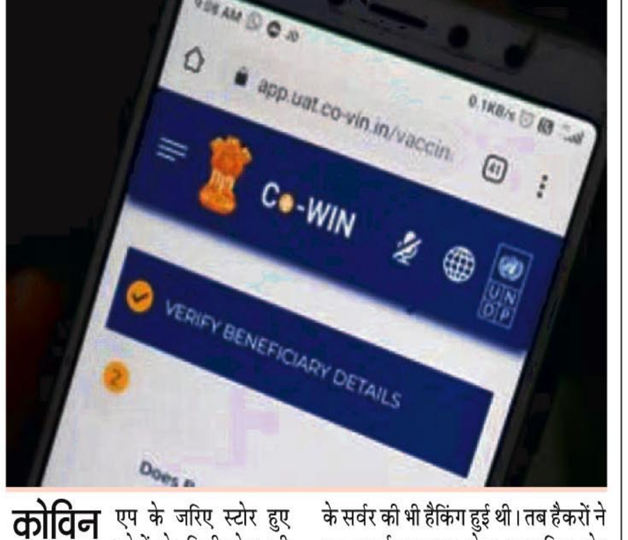

कोविन एप के जरिए स्टोर हुए लोगों के निजी डेटा की हैकिंग पर सरकार ने जो बयान दिए हैं, उससे कहीं यह भरोसा नहीं बंधता की ऐसी घटना नहीं हुई है। सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सारा डेटा सुरक्षित है और इसमें सेंध लगने की खबरें शरारतपूर्ण हैं। अगर ऐसा है, तो पहले एक मलयालम वेबसाइट और फिर कई अन्य समाचार माध्यमों में नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीन शॉट्स कैसे प्रकाशित हो गए? सूचना तकनीक मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस बारे में जो पहला बयान दिया, उससे स्थिति स्पष्ट होने के बजाय कई नए सवाल खड़े हो गए। इसलिए बेहतर होता कि कोरोना वैक्सीन लगवाने की अनिवार्य शर्त बना कर सरकार ने लोगों की जो निजी सूचनाएं ऐप के जरिए इकट्ठी की थीं, अगर हैकरों ने उसकी सुरक्षा तोड़ दी है, तो वह इस बात को स्वीकार करती। साथ ही इसकी व्यापक जांच शुरू करती, ताकि हैकरों तक पहुंचा जा सके। कुछ महीने पहले नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सर्वर की भी हैकिंग हुई थी। तब हैकरों ने महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य डेटा चुरा लिए थे। उसकी जांच कहां पहुंची, यह आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दरअसल, भारत में डेटा सुरक्षा में सेंध लगने की सिर्फ यही दो घटनाएं नहीं हैं। जिस युग में डेटा को सोना कहा जाता है, उस समय डेटा सुरक्षा के ऐसे हाल के साथ कोई भी देश सुरक्षित रहने और विकास मार्ग पर चलने को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता। अन्य सूचनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी डेटा की भी बाजार में ऊंची कीमत है, इसलिए अपराधी हैकरों की नजर इन पर रहती है। यह सरकार और उन संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि जिन लोगों का डेटा वे लेते हैं, उन्हें सुरक्षित रखें। भारत में सरकार और संस्थाएं इस जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम नजर आ रही हैं। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि अगर इसी तरह सैन्य सुरक्षा और बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी आंकड़ों की चोरी कर ली गई, तो उसका क्या परिणाम होगा? इसलिए सरकार को ताजा घटना को अति गंभीरता से लेना चाहिए और इसका पूरा सच देश को बताना चाहिए।

देश दुनीया से

प्रधानमंत्री खुद को कितना बदल पाएंगे, क्या शासन शैली में भी आएगा परिवर्तन!

हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है।

करीब एक साल पहले यानी 1 जुलाई, 2023 को इसी पेज पर छपे एक लेख में मैंने लिखा था कि मुझे भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद है। मुझे लगता था कि "लोकसभा में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है। वामपंथी और उदारवादी जमीनी हकीकत को समझ नहीं पाए और भाजपा को लगभग 230 सीटें मिल सकती हैं।" एक सप्ताह बाद फिर माहेश्वरी ने यह लिखा, "मोदी अपने राजनीतिक स्वभाव में तानाशाही गुणों के साथ अनिर्णय से ग्रस्त हैं। यह बात मेरे इस कथन को मजबूत करता है कि भाजपा की ताकत 230 सीटों तक कम हो सकती है।" 18 मार्च को माहेश्वरी ने पुनः मुझे एक ई-मेल भेजा, जिसमें लिखा था, "भाजपा को 230 सीटें मिलेंगी, जिनमें उत्तर प्रदेश में 80 में से 30 सीटें शामिल हैं। राहुल गांधी की क्षमताओं के बारे में मेरे मन में कई तरह की आशंकाएं हैं, फिर भी वह एकमात्र ऐसे गैर-भाजपाई नेता हैं, जो सड़क पर उतरे हैं और अच्छी-खासी भीड़ को अपनी ओर खींचने में सफल रहे हैं।" अनिल माहेश्वरी ने चुनाव शुरू होने से एक महीने पहले यह भविष्यवाणी कर दी थी। जुलाई, 2023 में मैंने आशा के विपरीत उम्मीद जताते हुए कहा था कि "गठबंधन की सरकार आएगी। भारत बहुत बड़ा और विविधताओं वाला देश है। इसे सहयोग और सलाहों के बिना चलाया ही नहीं जा सकता है। हालांकि संसद में ज्यादा बहुमत होने से सत्ता पक्ष में अहंकार आ जाता है। बहुत अधिक बहुमत वाला प्रधानमंत्री अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है, विपक्ष का अनादर करता है, प्रेस पर लगाम लगाता है, संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म करता है और नहीं तो कम से कम राज्य के हितों और अधिकारों की अनदेखी करता है। खासतौर पर उन राज्यों की, जहां किसी और पार्टी का शासन रहता है।" नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले मैंने इंदिरा और राजीव गांधी की सरकारों को देखा है, जिनमें प्रचंड बहुमत के कारण सत्तावादी प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लक्षण मिलते हैं। दूसरी तरफ मैंने गठबंधन सरकारों

को भी देखा है, जब प्रेस और न्यायपालिका अधिक स्वतंत्र थे और नियामक संस्थाओं पर नियंत्रण करने की कोशिश कम थी। 1989 से 2014 के बीच किसी भी एक पार्टी को संसद में बहुमत नहीं मिला था। इस दौरान सात प्रधानमंत्री हुए, जिनमें से चार- वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा और गुजराल दो साल से भी कम समय तक कार्यालय में रहे। दूसरी तरफ, तीन प्रधानमंत्रियों ने पांच साल के कार्यकाल पूरे किए, जिनमें नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह शामिल हैं। अब मोदी तीसरे कार्यकाल में उन प्रधानमंत्रियों की श्रेणी में आ गए हैं, जिन्होंने बिना पूर्ण बहुमत के सरकार चलाई। हालांकि उनसे पहले के प्रधानमंत्रियों ने अपने अनुभव और स्वभाव के चलते प्रभावी तरीके से सरकार चलाई। नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री बनने से पहले इंदिरा और राजीव गांधी की कैबिनेट में लंबे समय तक काम किया। वाजपेयी प्रधानमंत्री बनने से पहले मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की सरकार में विदेश मंत्री रहे। मनमोहन सिंह ने भी प्रधानमंत्री के पद पर आने से पहले नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में काम किया था। इसके अलावा राव, वाजपेयी और मनमोहन ने सरकार से बाहर रहते हुए विपक्षी सांसदों की भूमिका भी निभाई। एक प्रचारक और पार्टी के संगठनकर्ता के तौर पर मोदी ने कई वर्षों तक अन्य लोगों के साथ या उनके अधीन भी काम किया, लेकिन जब से उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा, वह कभी भी मात्र विधायक या सांसद नहीं रहे। यहां तक कि राज्य या केंद्रीय स्तर पर मंत्री भी नहीं रहे। 2001 से उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के रूप में ही देखा है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने खुद को बॉस, टॉप बॉस, सोल और सुप्रीम बॉस के रूप में देखा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसने एक बहुत बड़े पंथ का निर्माण किया है या एक ऐसा नेता, जो अपने दम पर पहले अपने राज्य और फिर देश को समृद्धि के शिखर पर ले जाएगा। राज्य और केंद्र, दोनों जगहों पर उन्होंने किसी भी नई परियोजना के शुरू होने या उसके पूरे होने का हमेशा श्रेय लिया, चाहे वह पुल हो, हाईवे हो, रेलवे स्टेशन हो, खाद्य सब्सिडी हो या कुछ और। नरसिम्हा राव और वीपी सिंह का व्यक्तित्व आत्मसंतुष्ट और संयमित था। वाजपेयी का व्यक्तित्व अधिक करिश्माई था, लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को पार्टी का केंद्र-बिंदु नहीं माना, अपनी सरकार या देश का तो बिल्कुल भी नहीं। इस तरह देखा जाए तो ये तीनों ही अपने अनुभव और स्वभाव के आधार पर कैबिनेट के सहयोगियों और विपक्ष के साथ सलाह-मशविरा कर काम करने के लिए तैयार रहते थे। देखा जाए तो प्रधानमंत्री को स्वयं जीत की हैट्रिक लगाने की पूरी उम्मीद थी, इसलिए उन्होंने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि नए सिरे से पदभार संभालने पर वह पहले सौ दिनों के एजेंडे पर तेजी से काम करेंगे। 'द इकोनोमिक टाइम्स' ने 10 मई को इस बात का दावा किया कि 'मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में 100 दिनों के एजेंडे में 50 से 70 लक्ष्य निर्धारित करेंगे।'

आप का नजरीया

पर्यटन सारथी परिवहन

यह महज यात्री बस नहीं है और न ही हिमाचल की डेस्टिनेशन में सहज रूट है। यह एक अनुभव, साल की गणना में खुला मौसम, पर्वतीय आवरण में चहलकदमी और लेह रूट का हिमाचल के पर्यटन का गहरा रिश्ता है। जाहिर तौर पर यह एचआरटीसी की साहसिक यात्रा का सालाना समारोह भी है, जो चंद महीनों के लिए ट्रांसपोर्ट की बादशाहत में हिमाचल को पर्यटन का ब्रांड बनाता है। दिल्ली- लेह मार्ग पर फिर से दौड़ रही बस अपने साथ शगुनों का एक पूरा मोहल्ला ले कर चलती है और यह सफर की चुनौतियों में मंजिल का भरोसा है। यानी 981 किलोमीटर की दूरी और तीस घंटे का साथ, पर्वतीय दुरुहता से गुजरने का शौर्य है। एक रिकार्ड, एक मील पत्थर और यादों के नजारों के बीच रुह में बस जाने का तजुर्बा। वास्तव में यह हिमाचल की दिलेर यात्रा है जहां ड्राइविंग हुनर की पराकाष्ठा में एचआरटीसी पर भरोसा परवान चढ़ता है, लेकिन अब हमें इस रिकार्ड से आगे निकल कर दिल्ली-लेह रूट के अनुभव को परिमार्जित करते हुए, इसे पर्यटकों की बेशकीमती मांग बनाना चाहिए ताकि यह एहसास सदा जिंदा रहे। यह इसलिए कि हिमाचल की धुरी केवल एक रूट की बस के इर्द-गिर्द घूम रही है। अगर हम इस रूट को पर्यटन का परमिट बना दें, तो मानव जिज्ञासा के हर मोड़ पर हिमाचल परिवहन सारथी बन सकती है। दिल्ली से मनाली तक के सफर की आरामदायक भूमिका में कई आयाम स्थापित करने के बावजूद आगे का सफर अभी भी एक रिवायत के सिवा नहीं बढ़ा। बेशक यह चार दिनों की चांदनी जैसा है, लेकिन इस खजाने में कई उपयोग व प्रयोग हो सकते हैं। यह महज यात्रा के आगे 'पर्यटन सारथी परिवहन' की मुद्रा में हिमाचल के आकर्षण को कई गुणा बढ़ा सकती है बशर्ते हम इस एहसास की पेशगी में सैलानियों को यात्रा टिकट से कहीं आगे सुविधा टिकट की गारंटी दें। पर्यटन सारथी परिवहन की परिकल्पना में एक साथ लेह के लिए न केवल दिल्ली, बल्कि जयपुर, देहरादून-मसूरी, अमृतसर व जम्मू से बसें निकलें जो मनाली के आगे मिनी बसों का काफिला बन सकती हैं। यात्रा के दौरान कम से कम एक दिन-रात का विश्राम हिमाचल में होना चाहिए। हिमाचल को अंतरराज्यीय बस सेवाओं से कुछ रूट 'पर्यटन सारथी परिवहन' के रूप में चिन्हित करने चाहिएं। प्रदेश के बहुत सारे डेस्टिनेशन अब साधारण बस सेवाओं से कहीं अधिक लग्जरी बसों की अधिकतम मांग पैदा कर रहे हैं। धर्मशाला, डलहौजी, मनाली, शिमला, बीड़ व कुछ अन्य शहरों में निजी क्षेत्र परिवहन की इस मांग को पूरा करके सफल हो रहा है, तो परिवहन निगम को भी अपनी सेवाओं में यात्रियों के अलावा पर्यटक आकर्षित करने चाहिएं। 'पर्यटन सारथी परिवहन' सेवा के तहत डेस्टिनेशन टू डेस्टिनेशन सेवा के आधार पर अगर बस सेवाएं उपलब्ध हों तो अंतरराज्यीय पर्यटन की क्षमता में पथ परिवहन निगम के घाटे कम हो जाएंगे। यह इसलिए भी कि निजी वोल्वो बसें अपने किराए व बस स्टॉपेज के कारण विवादित रहती हैं, जबकि दिल्ली जैसे शहर से पर्यटकों को हिमाचल पहुंचाने के लिए एचआरटीसी कई पैकेज बना सकता है। पर्यटन व परिवहन निगम अगर 'पर्यटन सारथी परिवहन' योजना के साथी बनाए जाएं तो पर्यटन के रूट खासी चर्चा में आएंगे।

अमेठी में तीन रेल यात्रियों की मौत

अमेठी (हिंस)। निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक साथ तीन रेल यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना देते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रथमदृष्टतया मौत की वजह अत्यधिक गर्मी होना बताया जा रहा है। निहालगढ़ रेलवे स्टेशन के अधीक्षक लखन लाल मीणा ने सोमवार को बताया कि रविवार की शाम को करीब छह बजे एक यात्री प्लेटफार्म नम्बर दो पर बेंच पर बैठकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। अन्य यात्रियों के मुताबिक, बैठे-बैठे वह यात्री अचानक बेहोश होकर गिर गया। सूचना पर पहुंचे आरपीएफ जवानों ने पानी का छीटा मारा तो वह होश में आया और तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राजेंद्र पटेल (58) सन वर्षा चौबेपुर वाराणसी के रूप में हुई। इसी के थोड़ी ही देर बाद बिहार के राजगीर जिले से चलकर नई दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस गाड़ी में दो लोगों के अचेत होने की सूचना स्टेशन पर कंट्रोल रूम से प्राप्त हुई। तत्काल स्टेशन अधीक्षक ने 108 एंबुलेंस बुलाया। ट्रेन निहालगढ़ पहुंची कोच संख्या एस फोर से एक यात्री और दूसरे यात्री को भी जनरल डिब्बे से बेहोशी की हालत में उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर ले जाया गया।

सिंध ने सबसे पहले आक्रांताओं से मुकाबला किया और राष्ट्र के लिए शहादत देने में आगे रहा : देवनानी

इंदौर/ जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि महाराजा दाहिर सेन की वीरता, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान को राष्ट्र सदैव स्मरण करता रहेगा। जब भी भारत पर आक्रांताओं ने आक्रमण किया, तब सबसे पहले सिंध ने आक्रांताओं का डटकर मुकाबला किया और शहादत दीं। महाराज दाहिर सेन ने आक्रमणकारियों को बार-बार खदेड़ा। मातृभूमि की रक्षा के लिए उन्होंने बलिदान दिया। उनके पूरे परिवार, उनकी पत्नी और दोनों पुत्री ने भी राष्ट्र के लिए बलिदान दिया। हर बार विदेशी आक्रांताओं के हमलों को महाराजा दाहिर सैन ने नाकाम किया। देवनानी ने इंदौर की देवी अहिल्याबाई होलकर विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित सिंधु सम्राट महाराज दाहिर सेन की 1312 वे बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। समारोह को राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद और इन्नोवेटिव समिति फार पीपल्स अवेयरनेस केयर एंड एजुकेशन सोसाइटी ने आयोजित किया। देवनानी ने कहा की महाराज दाहिर सहन वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने सनातन हिंदू धर्म को राजधर्म घोषित किया था। एकता अखंडता व राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक महाराज दाहिर सेन को राष्ट्र स्मरण करता रहेगा। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज एक भारत, श्रेष्ठ भारत, अखंड भारत का अभिन्न अंग है। सिंधी समाज ने भौतिकवाद का त्याग किया है। भारतीय मूल्यों और परंपराओं की प्रति दृढ़ता पूर्वक जुड़कर स्वरोजगार और शिक्षा के माध्यम से एक भारत, श्रेष्ठ भारत और अखंड भारत की संकल्पना को साकार किया है। सिंधी समाज मेहनती है। समाज ने स्वरोजगार के बल पर भारत के आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा उनके शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान महाराणा प्रताप, हेमू कालानी और दाहिर सेन को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया। आज युवा पीढ़ी इन वीर महापुरुषों के त्याग, बलिदान और राष्ट्र प्रेम की गाथाओं को पढ़कर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित हो रहे हैं। देवनानी ने अपने उद्बोधन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को याद करते हुए कहा कि इन दोनों व्यक्तियों को सिंधी समाज कभी नहीं भूल सकता। इन दोनों के प्रयासों से ही सिंधी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान मिला। सिंधु दर्शन यात्रा आडवाणी जी के प्रयासों से ही आरंभ हो सकी। सन 1997 में पहली बार सिंधु दर्शन यात्रा आरंभ हुई। पूर्व उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में 67 लोगों ने यात्रा में भाग लिया। देवनानी ने कहा की हमें गर्व होना चाहिए कि हम सिंधी हैं। हमने भारत राष्ट्र की रक्षा के लिए समय-समय पर बलिदान दिया। सबसे पहले आक्रांताओं से मुकाबला किया। राष्ट्र की रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों ने शहादत दी। आज भी हम मेहनत करके राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें महाराज दाहिर सेन की वीरता, ओजस्विता का स्मरण कर ऊर्जा और साहस से लवरेज रहना चाहिए। राष्ट्र की प्रगति में निरंतर भागीदारी निभाने के लिए प्रयासरत रहना होगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का इंदौर में राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली, इन्नोवेटिव समिति फार पीपल्स अवेयरनेस एंड केयर समिति इंदौर, भारतीय सिंधु सभा इंदौर, सिंधी साहित्य पंचायत इंदौर और सिंधी सुजाग संगत इंदौर सहित लगभग एक दर्जन संस्थाओं ने अभिनंदन किया। देवनानी का माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर सांसद शंकर लालवानी, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद के उपाध्यक्ष मोहन मंगवानी, निदेशक रवि टेकचंदानी, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि अमित तोलानी, ईश्वर झामनानी, राजा माधवनी, ऋतु भटिया, विजय कोटवानी, लोकेंद्र फतनानी, अजय शिवानी, दिलीप देव और अजय वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

दबंगों ने किसान की लूट ली फसल, पुलिस बनी रही मूकदर्शक

भागलपुर (हिंस)। जिले में औद्योगिक थाना पुलिस की मदद से कुछ दबंग लोग किसान की जमीन पर अपना कब्जा जमा रहे हैं। इतना ही नहीं किसान की फसल पुलिस के सामने ही लूट रहे हैं। मामला बरारी निवासी किसान गणेश यादव से जुड़ा है। उन्होंने बताया की बिक्रमशिला सेतु के समीप उनकी 70 बीघा रैयती जमीन है। जिसके सारे दस्तावेज उनके पास हैं। गणेश यादव ने बताया की दबंगो की शिकायत लेकर जब वो आद्योगिक थानाध्यक्ष मुरलीधर शाह के पास गए तो थाना थानाध्यक्ष ने आरोपियों से सांठ गांठ कर उनकी ही पिटाई कर दी। जिसके बाद पीड़ित किसान ने घटना की शिकायत एसएसपी, डीआईजी और मुख्यमंत्री से की। लेकिन अबतक कोई करवाई नहीं की गई। गणेश यादव ने बताया की पुलिस ने उन्हें अपने ही जमीन पर जाने से रोक दिया गया है। खेत में लगायी गई फसलों को पुलिस की मदद से अपराधी लूट रहे हैं।

बकरीद पर नमाजियों ने देश की सलामती की दुआ की

हरदोई (हिंस)। सोमवार को पूरे जिले में शांतिपूर्ण ढंग से बकरीद मनाई गई। शहर के बिलग्राम चुंगी स्थित ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में अलग-अलग समय पर नमाज अदा की गई। नमाजियों ने मुल्क की सलामती की दुआ की और एक दूसरे को बकरीद की बधाई दी। ईदगाह में बकरीद की नमाज सुबह 7:45 बजे संपन्न हुई। नमाज जामा मस्जिद के मुफ्ती आफताब आलम ने संपन्न कराई। उन्होंने कहा कि इस्लाम प्यार और मोहब्बत का पैगाम देता है, इसलिए सभी लोगों को आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए। जामा मस्जिद में मुफ्ती अनस ने नमाज पढ़ाई। शहर में डाक्टर सलीम वाली गली स्थित मस्जिद, नुमाइश पुरवा स्थित मस्जिद, बैटंगज स्थित मस्जिद, पुलिस लाइन स्थित मस्जिद, चील पुरवा स्थित मस्जिद में नमाज अदा कराई गई। मल्लावां ईदगाह बगदाद में नायब पेश इमाम रिजवान अंसारी, छोटी ईदगाह भगवंतनगर में मुफ्ती मिशवाह, छत्ता टोला मस्जिद में कारी महफूज मिया, दरगाह मस्जिद में पेश इमाम नाजिम ने नमाज अदा कराई। इसके अलावा अन्य मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया।उपस्थित जन समूह ने लोगों से गले मिलकर मुबारकबाद दी। क्षेत्र के माटियामऊ, राघौपुर, गंज जलालाबाद, बासा, सराय सुल्तान, तेरवा कुल्ली, सहित कई अन्य जगहों पर नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। पिहानी में इमाम ईदगाह मौलाना उसमान गनी मजाहिरी ने कहा कि कुर्बानी खुदा की राह में सब कुछ कुर्बान कर देने के पैगाम के साथ सब्र और शुक्र करते रहने का भी सबक देती है। उन्होंने पैगंबर पिता-पुत्र की कुर्बानी का वाकया बयान करते हुए कहा कि हमें भी राहे खुदा में अपनी बेशकीमती चीजों को कुर्बान करने को तैयार रहना चाहिए। मुसलमानों को कुर्बानी के मसले समझाते हुए कहा कि अल्लाह के नजदीक कुर्बानी का गोश्त और खून कोई मायने नहीं रखता, वहां कद्र है तो सिर्फ जज्बात और तकवे की। उन्होंने कहा कि कुर्बानी करते वक्त अगर नीयत खालिस रजा ए इलाही वाली नहीं है, दिखावा करना चाह रहे हैं, तो कुर्बानी बेकार जाएगी। मौलाना मजाहिरी ने एक हदीस के हवाले से कहा कि साहिबे-हैसियत होते हुए भी कुर्बानी न करने वालों को ईदगाह आने से भी मना किया गया है। पाबंदी वाले जानवरों की कुर्बानी न करें और कुर्बानी के बाद गंदगी आदि से बचें। गोपामऊ की ईदगाह में मौलाना शरीफ कासमी ने नमाज अदायगी से पहले मुस्लिमों को खिताब करते हुए कहा कि इस्लाम शांति और भाइचारे का मजहब है। सच्चा मुसलमान वहीं है जो दीन पर चलते हुए अपने किरदार से अमनो अमान का माहौल बनाए।

मुख्यमंत्री ने सरकारी नौकरी और रोजगार देने के निर्धारित लक्ष्य को मिशन मोड में पूरा करने के दिए निर्देश

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सात निश्चय-2 के तहत 10 लाख सरकारी नौकरियां और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री, संबंधित विभागों के मंत्रियों, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव के साथ सोमवार को बैठक कर एक वर्ष के भीतर मिशन मोड में लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने नियुक्ति के लिए आयोजित परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे और परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता और प्रश्न पत्र लीक न हो इसको लेकर एक सख्त कानून बनाने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इससे संबंधित प्रस्ताव विधानसभा के सत्र में लाया जाए। प्रदेश में अब तक 5 लाख 16 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त एक लाख 99 हजार सरकारी नौकरी से संबंधित नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। अगले तीन महीने के अंदर नियुक्ति पत्र वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। नियुक्ति करने वाले विभिन्न आयोगों को दो लाख 11 हजार नई नियुक्तियों के लिए अधियाचना भेजी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त अगले एक महीने में दो लाख 34 हजार रिक्तियों की अधियाचना विभिन्न आयोगों को भेजी जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में नियुक्ति के लिए 72 हजार और रिक्तियां होने का अनुमान है, जिसकी अधियाचना अगले वर्ष भेजी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सात निश्चय- 2 के अंतर्गत 5 लाख 16 हजार नियुक्तियां की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त एक लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण के लिए तैयार है। साथ ही 5 लाख 17 हजार रिक्तियों के लिए नियुक्ति प्रक्रियाधीन है यानी कुल 12 लाख से अधिक सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है। इस प्रकार मुख्यमंत्री के सात निश्चय 2 के अंतर्गत 10 लाख सरकारी नौकरी देने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, उसे पार करते हुये वर्ष 2024-25 तक 12 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरी दे दी जाएगी।

भाजपा ने शिवराज को बनाया झारखंड विस चुनाव का प्रभारी, हिमंता बने सह प्रभारी

रांची (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड सहित महाराष्ट्र, हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रदेश चुनाव प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है। झारखंड के लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनाव प्रभारी बनाया गया है। उनके सहयोग के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा को सह प्रभारी बनाया गया है। बीते लोकसभा चुनाव में प्रदेश भाजपा ने 14 लोकसभा सीटे जीतने का लक्ष्य तय किया था लेकिन उसे कुल नौ सीटों पर ही जीत मिली। वर्ष 2019 की अपेक्षा पार्टी को तीन सीटों का नुकसान हुआ। एसटी के लिए आरक्षित पांच सीटों पर एनडीए गठबंधन हार गया। इसे देखते हुए अब भाजपा ने पार्टी ने प्रदेश चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी के रूप में दो मजबूत चेहरों को जिम्मेदारी दी है। शिवराज चौहान मध्य प्रदेश में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे और अब केंद्रीय मंत्री हैं।

निर्जला एकादशी पर खाटू में भक्तों की भीड़, मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक जाम

सीकर (हिंस)। सीकर में भीषण गर्मी के बीच निर्जला एकादशी के मौके पर खाटू कस्बे में भक्तों की भारी भीड़ है। सोमवार सुबह से ही दर्शनों की सभी लाइनें श्रद्धालुओं से अटी है। भक्तों की भीड़ के चलते रींगस और मंडा रोड पर ट्रैफिक जाम हो रहा है। निर्जला एकादशी पर आने वाले भक्तों को आज हॉस्पिटल चौराहा, केरपुरा तिराहा, लामियां तिराहा, 75 फीट ग्राउंड होते हुए मंदिर में दर्शनों के लिए लाया जा रहा है। भीड़ को देखते हुए स्थानीय पुलिस थाना, आरएएसी, पुलिस लाइन का जाब्ता और मंदिर कमेटी के सुरक्षा गार्ड व्यवस्था संभाले हुए हैं। वही मंदिर कमेटी के द्वारा बड़े पंखे और कूलर लगाकर लोगों को गर्मी से राहत दी जा रही है। निर्जला एकादशी के मौके पर निशान लाते हुए भक्त डीजे की धुन पर थिरक रहे हैं। खाटू में हर महीने एकादशी और द्वादशी के मौके पर मासिक मेला होता है। इस दौरान यहां लाखों की संख्या में भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। भीड़ के चलते पूरी रात से बाबा श्याम भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। आज रींगस स्टेशन पर भी भक्तों की भारी भीड़ है।

बाढ़ से निपटने को तैयार योगी सरकार 29 अतिसंवेदनशील जिलों पर पैनी नजर

लखनऊ (हिंस)। भीषण गर्मी और लू से परेशान प्रदेशवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आयी है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में 20 से 25 जून के बीच मानसून आने की संभावना है। ऐसे में योगी सरकार मानसून को लेकर अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक कर मानूसन की सक्रियता के बाद बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को खाका तैयार करने का आदेश दिया था ताकि प्रदेशवासियों और उनके मवेशियों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इन्होंने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए प्रदेश को तीन भागों में बांटा गया है। इसमें अतिसंवेदनशील श्रेणी में 29, संवेदनशील श्रेणी में 11 और सामान्य श्रेणी में 35 जनपद शामिल हैं। इन जिलों में विशेष निगरानी के लिए टीमों का गठन कर अलर्ट कर दिया गया है, जिसमें सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारी के साथ कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पीएसी और मौसम विभाग भी अलर्ट मोड पर है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 7 टीमें, एसडीआरएफ की 18 टीमें और पीएसी की 17 टीमों की प्रीपोजीशनिंग की जा चुकी है। इसके साथ ही राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा बाढ़ की अवधि में मौसम विभाग, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और केंद्रीय जल आयोग से रिपोट्स प्राप्त कर दैनिक समीक्षा का रोस्टर तैयार कर लिया गया है ताकि बाढ़ प्रबंधन के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जा सके। बाढ़ से निपटने के लिए राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को भी एक्टिव कर दिया गया है, जहां चौबीसों घंटे राहत हेल्पलाइन 1070 के लिए 20 सीटर कॉल सेंटर संचालित कर दिया गया है। इमरजेंसी सेंटर के माध्यम से प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में फील्ड में तैनात अधिकारियों को एसएमएस और वॉयस कॉल के माध्यम से वास्तविक स्थिति से अपडेट किया जाएगा ताकि समय रहते स्थिति से निपटा जा सके। इतना ही नहीं सभी जिलों में वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा समेत 24 घंटे डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित कर दिए गये हैं। साथ ही इन्हें राज्य स्तरीय राहत कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है। वहीं बाढ़ की तैयारी के लिए सभी जनपदों को बाढ़ पूर्व तैयारी चेक लिस्ट भेजी जा चुकी है। योगी सरकार ने प्रदेश में बाढ़ समेत अन्य आपदा से निपटने के लिए 400 आपदा मित्रों की तैनाती की है। इन्हें 15 दिन की ट्रेनिंग के साथ यूनीफार्म, आईडी कार्ड, सर्टिफिकेट तथा इमरजेंसी रिस्पांडर किट उपलब्ध करायी गई है। इसके अलावा 10500 वालंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है।

किसान समेत तीन की मौत, ढाई घंटे तक सड़क जाम

पलामू (हिंस)। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान तीन सड़क हादसे हुए, जिसमें किसान समेत तीन की मौत हो गई। पहली घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के नावाडीह बगनी झरिया में हुई, जहां अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार नावाबाजार के राजू प्रजापति (25) की मौत हो गई। राजू गढ़वा के रमकंडा बारात जा रहा था। दूसरी घटना हरिहरगंज थाना क्षेत्र के दुबटिया मोड के समीप एंबुलेंस के टक्कर से मोपेड सवार किसान केशवर साव (65) की मौके पर ही मौत हो गई। केशवर हरिहरगंज से धान की बीज खरीदकर पिपरा थाना क्षेत्र के होल्या गांव अपने घर जा रहे थे। घटना सोमवार सुबह 9 बजे की है। घटना के बाद मृतक के परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच को ढाई घंटे तक जाम रखा। हरिहरगंज और पिपरा थाना पुलिस अधिकारियों के समझाने पर तथा सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा देने का आश्वासन देने पर सड़क से जाम हटाया गया। जाम के कारण सड़क के दोनों छोर पर वाहन की लंबी कतार लगी रही। तीसरी घटना लातेहार के नेतरहाट जाने के दौरान नेतरहाट से 20 किलोमीटर पहले हुई। बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के पिपरौरा गांव के स्व. रघुवंश सिंह का पुत्र गौरव आनंद (42) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। गौरव अपने परिवार के साथ कार से नेतरहाट घुमने जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी कार पेड़ से टकरा गई, जिसमें कार पर सवार तीनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तीनों को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में लाया। जहां इलाज के क्रम में गौरव आनंद की मौत हो गई। दोनों घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। गौरव आनंद के शव का एमआरएमसीएच में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के समय हुसैनाबाद के विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह मौके पर मौजूद थे। गौरव आनंद हुसैनाबाद के चकपर गांव के सत्येन्द्र सिंह के दामाद थे।

उदयपुर-पिंडवाड़ा हाईवे पर हादसा भाई-बहन सहित चार की मौत

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर से गुजरने वाले गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर मालवा का चौरा पुलिया के पास ब्रेक फेल होने के बाद एक अनियंत्रित ट्रेलर ने डम्पर को टक्कर मार दी। डम्पर बेकाबू होते हुए डिवाइडर के दूसरी तरफ चला गया और वहां चल रहे राहगीरों को चपेट में ले लिया। डम्पर से कुचले जाने के कारण राहगीर भाई-बहन-भतीजी की मौत हो गई। इधर, ट्रेलर भी गहरी खाई में जा गिरा। ट्रेलर के चालक की भी मौत हो गई। हादसा गोगुंदा थाना क्षेत्र के मालवा का चौरा के पास दोपहर करीब साढ़े बारह बजे हुआ। स्थानीय गांव तिलोई के सरपंच होना राम के अनुसार हादसे में मशरू (48) पुत्र लखा, मशरू की बहन हदमी (50) पत्नी धीरा और मशरू के भाई की बेटी सोवनी (18) पत्नी काना की मौत हो गई। मशरू की पत्नी खेतु (45) बाल-बाल बच गई। सरपंच ने बताया कि ये गांव से पैदल ही मालवा का चौरा जा रहे थे। वहां पर वे हदमी के रिश्तेदार की शादी के लिए पंडितजी से मुहूर्त निकलवाने मंदिर जा रहे थे। सूचना मिलने पर एसपी योगेश गोयल, कोटड़ा डीएसपी राजेंद्र सिंह, बेकरिया थानाधिकारी धनपत सिंह टीम मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से शवों को बेकरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि ट्रेलर ड्राइवर बलविंदर कुमार पुत्र तिलक राज निवासी रामबाग मोहल्ला, होशियारपुर (पंजाब) की भी मौत हो गई है। हादसे में गंभीर घायल डंपर के ड्राइवर को उदयपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि उदयपुर-पिंडवाड़ा हाईवे पर ढलान में उदयपुर की तरफ आ रहे ट्रेलर के ब्रेक फेल हो गए। मालवा चौरा की पुलिया के पास ट्रेलर कंट्रोल नहीं हुआ और आगे चल रहे डंपर को टक्कर मार कर खाई में गिर गया। पीछे से टक्कर लगने के कारण दौरान डंपर के ड्राइवर ने भी कंट्रोल खो दिया। डंपर डिवाइडर पर चढ़कर रोड के दूसरी तरफ चला गया और सड़क किनारे चल रहे राहगीरों पर पलट गया।

मोदी-योगी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाला युवक पुलिस हिरासत में

बलिया (हिंस)। एक मुस्लिम युवक का प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी पर अश्लील व अभद्र टिप्पणी करने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को मुकदमा दर्ज कर वीडियो के आधार पर आरोपी को हिरासत में ले लिया। सीओ सिटी गौरव शर्मा ने बताया कि आरोपी युवक की पहचान अकबर अली निवासी राजेन्द्र नगर के रूप में हुई है। उसने बताया कि वीडियो तीन से चार महीने पुराना है। अब जाकर किसी ने वायरल किया है। जो वीडियो सार्वजनिक हुआ है उसमें आरोपी ने प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को लेकर बेहद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। वह मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी भी देता दिख रहा है। पूर्व मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए डीजीपी, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से तत्काल संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की।

हिंदू जागरण मंच की बैठक में संगठन विस्तार और युवाओं को संगठन से जोड़ने का लिया गया निर्णय

रांची (हिंस)। हिंदू जागरण मंच रांची महानगर की बैठक प्रदेश कार्यालय में सोमवार को हुई। बैठक में मंच के पुराने पदाधिकारी और नए सदस्यों शामिल थे। इस दौरान संगठन विस्तार और युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में संगठन से जोड़ने का निर्णय लिया गया। साथ ही सभी मंडलों के गठन पर विचार-विमर्श किया गया। हिंदू जागरण मंच हिंदू समाज को और मजबूरी दे। इस पर भी विमर्श विचार किया गया। बैठक में कहा गया कि जो लोग सिर्फ सोशल मीडिया पर हिंदू समाज के लिए लड़ाई लड़ते हैं उन्हें ग्राउंड लेवल पर भी समाज को मजबूती देने का काम करना चाहिए। साथ ही हिंदू जागरण मंच के अगामी कार्यक्रम पर भी चर्चा की गई। यह जानकारी हिंदू जागरण मंच के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरजीत सिंह ने दी।

2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़ा भारत का यूएई से सोने, चांदी का आयात; जीटीआरआई ने कहा- एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत

नई दिल्ली।

आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि सोने और चांदी के आयात में तेज वृद्धि मुख्य रूप से भारत-यूएई के व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत की तरफ से यूएई को दी गई आयात शुल्क में रियायतों से प्रेरित है। भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर 7 प्रतिशत टैरिफ या सीमा शुल्क रियायत और 160 मीट्रिक टन सोने पर 1 प्रतिशत रियायत देता है।

मई 2022 में लागू हुआ था सीईपीए - फरवरी 2022 में सीईपीए पर हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अलावा भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से निजी फर्मों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा प्रदान करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले, केवल अधिकृत एजेंसियां ही इस तरह के आयात को संभाल सकती थीं।

बाकी सभी उत्पादों पर घटा आयात - यूएई से भारत का कुल आयात वित्त वर्ष 2023 में 53.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2024 में 48 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। वहीं सोने और चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 बिलियन अमरीकी डॉलर से 10.7 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। रिपोर्ट में ये कहा गया है, कि बाकी सभी उत्पादों का आयात 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 23 में 49.7 बिलियन अमरीकी डॉलर से वित्त वर्ष 24 में 37.3 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

उच्च आयात शुल्क ही समस्या की जड़ - ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मौजूदा समय में यूएई से सोने और चांदी के आयात टिकाऊ नहीं है क्योंकि यूएई सोने-चांदी का खनन नहीं करता हैं या आयात में पर्याप्त मूल्य नहीं जोड़ता है। अजय श्रीवास्तव ने आगे कहा कि भारत में सोने, चांदी और आभूषणों पर 15 प्रतिशत का उच्च आयात शुल्क ही समस्या की जड़ है। इस टैरिफ को घटाकर 5 प्रतिशत करने पर विचार करें। इससे बड़े पैमाने पर तस्करी और अन्य दुरुपयोगों में कमी आएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

निचले स्लैब के लोगों को आयकर में मिले राहत; सीआईआई अध्यक्ष बोले- जारी रहे सरलीकरण की प्रक्रिया

नई दिल्ली । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में निचले स्लैब के लोगों को आयकर में राहत मिलनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि महंगाई अब भी उच्च स्तर पर है।सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में थोक महंगाई लगातार तीसरे महीने बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई।अच्छे मानसून की उम्मीद के कारण इस वर्ष खुदरा महंगाई की दर 4.5 फीसदी के आसपास रहने की उम्मीद है। पुरानी व्यवस्था में कर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये तक की आय पर लागू होती है। नई व्यवस्था में यह 3 लाख रुपये तक की आय पर है। पुरी ने कहा, हमारा सुझाव है कि कर के मोर्चे पर सरलीकरण की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और दरों की बहुलता में कुछ परिचालन कठिनाइयां हैं। इनका सरलीकरण जरूरी है। पुरी ने कहा, सीमा शुल्क के मोर्चे पर हमें त्रिस्तरीय संरचना की ओर बढ़ना चाहिए। सबसे निचले स्तर पर प्राथमिक, बीच में मध्यवर्ती और फिर तैयार माल एवं कुछ समय की अवधि में अपवादों के साथ मध्यम दरें होनी चाहिए। बेहतर मानसून से सस्ते होंगे खाद्य पदार्थ सीआईआई अध्यक्ष ने कहा, मानसून के उम्मीद से बेहतर रहने के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।इससे महंगाईके मोर्चे पर भी राहत मिल सकती है।उम्मीद है कि आरबीआई प्रमुख ब्याज दर में कटौती करेगा। यह दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से शुरू हो सकता है। कुछसाल में तीसरी बड़ी जीडीपी बन जाएगा भारत पुरी ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन व मोदी के पिछले दो कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी। हमें उम्मीद है कि भारत अगले कुछ साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सीआईआई ने इस साल जीडीपी के 8 फीसदी की मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ने की उम्मीद जताईहै। नए अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी को अनुमान से बेहतर मानसून और खाद्य महंगाई में नरमी जैसे कईकारकों से समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में सुधारों पर नहीं पड़ेगा असर पुरी ने कहा, गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक नहीं बनेंगी।

ब्रिटेन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना, पिछले साल मई में ब्रिटेन भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था

नई दिल्ली । ब्रिटेन मई में चीन को पीछे छोड़कर भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। पिछले साल मई में वह भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मई में भारत से ब्रिटेन को निर्यात लगभग एक तिहाई बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया और चीन का निर्यात 1.33 अरब डॉलर ही रहा। मई में भारत का वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार कम होने से पिछले कई महीनों तक निर्यात में सुस्ती रही थी मगर मई में अच्छी वृद्धि हुई। अमेरिका को निर्यात में 13 फीसदी इजाफा हुआ और वह भारत का सबसे बड़ा निर्यात साझेदार बना रहा। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात में 19 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है और मई में वहां के लिए निर्यात 44 फीदी चढ़कर 2.19 अरब डॉलर हो गया। भारत से चीन को निर्यात में पिछले महीने केवल 3 फीसदी इजाफा हुआ। सऊदी अरब को निर्यात में 8.46 फीसदी, सिंगापुर को 4.64 फीसदी, बांग्लादेश को 13.47 फीसदी, जर्मनी को 6.74 फीसदी और फ्रांस को निर्यात में 36.94 फीसदी बढ़ोतरी रही। भारत ने जिन 10 देशों से सबसे ज्यादा आयात करता है, उनमें से केवल 2 देशों से आयात में कमी आई। मई में सऊदी अरब से आयात में 4.11 फीसदी और स्विट्जरलैंड से आयात में 32.33 फीसदी कमी दर्ज की गई। मई में भारत का कुल वस्तु आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। रूस से होने वाला आयात 18 फीसदी बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया, जिसकी बड़ी वजह वहां के तेल पर भारत की निर्भरता है। चीन के बाद भारत सबसे ज्यादा आयात इसी देश से करता है और यह सिलसिला मई में भी जारी रहा।

भूटान में 570 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रो प्लांट लगाएगा अडाणी-ग्रुप : कंपनी के चेयरमैन गौतम अडाणी ने भूटान नरेश और प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली ।

अडाणी ग्रुप भूटान में 570 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रो प्लांट लगाएगा। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने 16 जून को थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने भूटान में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की। गौतम अडाणी ने सोशल मीडिया पर शेयर की जानकरी इसको लेकर गौतम अडाणी ने सोशल मीडिया साइट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भूटान के माननीय प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ मुलाकात बहुत ही रोमांचक रही। चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हरित हाइड्रो प्लांट के लिए ड्रक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने आगे लिखा कि यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम राजा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल कर रहे हैं। भूटान में हाइड्रो और अन्य बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। भूटान नरेश से भी की मुलाकात गौतम अडाणी ने भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से भी मुलाकात की।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि भूटान के महामहिम राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। भूटान के लिए उनके दृष्टिकोण और गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी ईको फ्रेंडली मास्टरप्लान से प्रेरित हूं, जिसमें बड़े कंप्यूटिंग सेंटर और डेटा सुविधाएं शामिल हैं। कार्बन नेगेटिव नेशन के लिए इन पहलों और ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं।

श्रीलंका में भी ग्रीन एनर्जी पर काम कर रहा अडाणी ग्रुप

इससे पहले बीते महीने श्रीलंका की सरकार ने गौतम अडाणी की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी है। श्रीलंका के मन्नार और पूनरीन में अडाणी ग्रीन एनर्जी विंड पॉवर स्टेशन यानी पवन ऊर्जा स्टेशन बनाएगी।

दोनों पक्षों ने 20 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया है। श्रीलंका की सरकार ने कहा है कि एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी को 8.26 सेंट प्रति किलोवाट-घंटे का भुगतान किया जाएगा।

हुंडई मोटर्स ला रही देश का सबसे बड़ा आईपीओ, सेबी के पास जमा कराए ड्राफ्ट पेपर

मुंबई। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास 25,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लाने के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया है। इस आईपीओ के तहत कंपनी 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले 14,21,94,700 शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचेगी। इस ओएफएस में कंपनी के प्रमोटर्स की ओर से शेयरों की बिक्री की जाएगी। कंपनी ने कहा कि आईपीओ के जरिए फर्म इक्विटी शेयरों को एक्सचेंज पर लिस्ट कर लिस्टिंग के फायदे हासिल करना चाहती है। कंपनी को उम्मीद है कि इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने से विजिबिलिटी और ब्रांड इमेज बढ़ेगी। हुंडई मोटर्स के आईपीओ को सेबी से मंजूरी मिल जाती है, तो ये अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। फिलहाल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) की ओर से 2022 में लाया गया 2.7 अरब डॉलर का आईपीओ अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। हुंडई की ओर से कोटक महिंद्रा, सिटीबैंक, मॉर्गन स्टेनली, जेपी मॉर्गन और एचएसबीसी को शेयर बाजार में एंट्री के लिए ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक नियुक्त किया है। मई में हुंडई मोटर्स इंडिया की बिक्री में सालाना सात फीसदी की बढ़त दर्ज की गई थी और यह 63,551 यूनिट्स थी। यात्री गाड़ियों की बिक्री में हुंडई मोटर्स मारुति सुजुकी के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी ने भारत में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट 1998 में स्थापित किया था।

दो महीने में जुड़े 81 लाख निवेशक, फोलियो की संख्या बढ़कर 18.6 करोड़ हुई

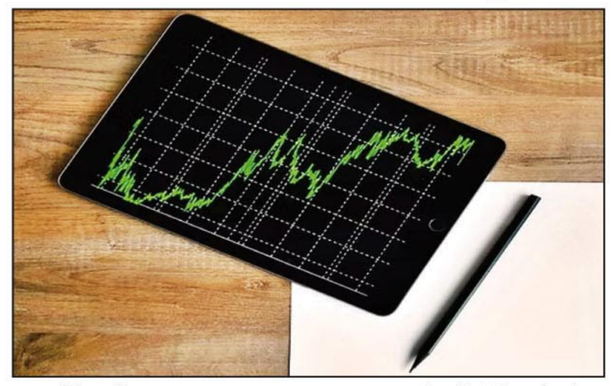

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड उद्योग में चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल और मई में 81 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। लगातार वितरण प्रयासों और वितरण नेटवर्क के मजबूत होने के कारण ऐसा हुआ है। ज्यादातर निवेश 40 साल तक की उम्र के लोग कर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, मई अंत में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या बढ़कर 18.6 करोड़ पहुंच गई।मार्च अंत में यह 17.78 करोड़ थी। मई में 45 लाख फोलियो की बढ़त हुई। अप्रैल में 36.11 लाख फोलियो जोड़े गए थे। कुल 81 लाख फोलियो में 61.25 लाख इक्विटी केंद्रित स्कीमों में खुले हैं। इससे इक्विटी स्कीमों के कुल फोलियो की संख्या 12.89 करोड़ की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। म्यूचुअल फंड हाउस में कुल फोलियो में 69 फीसदी हिस्सा इन्हीं स्कीमों का है। आंकड़ों के अनुसार, 2023 में हर माह औसत 22.3 लाख फोलियो जोड़े गए थे। इस साल यह दोगुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए अधिकांश नए निवेशक डिजिटल चैनलों का रास्ता अपना रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में फोलियो में उछाल जेन-वाई और जेन-जेड निवेशकों के कारण हुआ है। जेन वाई का मतलब 1981 से 1996 के बीच और जेन जेड का मतलब 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वालों से है। विदेशी निवेशकों ने 11,730 करोड़ के शेयर खरीदे विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले हफ्ते भारतीय बाजार में 11,730 करोड़ रुपये का निवेश किया है। घरेलू और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच इन निवेशकों ने खरीदारी की। हालांकि, इस पूरे महीने इन निवेशकों ने 3,064 करोड़ रुपये की निकासी की है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने घरेलू शेयर बाजारों में जून के पहले सप्ताह में 14,794 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। उस समय लोकसभा चुनाव नतीजों के कारण बाजार में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, पिछले हफ्ते सेंसेक्स ने दिन के कारोबार में 77,000 के आंकड़े को पार कर लिया था।

कोयला आयात कम करने कोयला क्षेत्र में होगा सुधार मंत्रालय बना रहा कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली ।

देश में कोयला आयात कम करने के लिए सरकार कोयला क्षेत्र में सुधार का तीसरा दौर शुरू करने वाली है। इसका उद्देश्य आयात में भारी कमी करना और उद्योगों के लिए कोयले की बेरोक उपलब्धता सुनिश्चित करना है। 1971 में कोयले का राष्ट्रीयकरण होने और वर्ष 2015 में ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे सुधारों का तीसरा दौर माना जा रहा है, जिसमें इस्पात जैसे क्षेत्रों का खास ध्यान रखा जाएगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार सबसे पहले नई फॉरवर्ड बिडिंग नीलामी शुरू करेगी, जिसमें देसी कोकिंग कोल की नीलामी दो तरीकों से होगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि पहला तरीका उन इस्पात संयंत्रों के लिए उपयोग होगा जिनमें वॉशरी (कोयला धुलाई संयंत्र) भी है। दूसरा रास्ता उन इस्पात संयंत्रों के लिए होगा, जिनमें वॉशरी ही नहीं है। जो कारखाने अपना कोयला खुद धोएंगे, उन्हें उससे निकले उत्पाद भी बेचने की इजाजत होगी। अधिकारी ने कहा कि इसके लिए कोयला मंत्रालय नीलामी में बोली लगाने वालों से यह पाबंदी हटा देगा कि आखिर में कोयले का उपयोग कहां किया जा रहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सात सहायक इकाइयों में एक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) इस काम के लिए वॉशरी लगाएगी। बीसीसीएल देश में कोकिंग कोल का खनन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। जेएसडब्ल्यू स्टील के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम उन वॉशरी की नीलामी की बात कर रहे हैं, जिन पर कोकिंग कोयला आता है और नई वॉशरी की लिए लंबे अरसे तक कोकिंग कोयला उपलब्ध कराने की बात कर कर रहे हैं।

किफायती मकानों की बिक्री में चार फीसदी की गिरावट लग्जरी अपार्टमेंट की अधिक मांग बनी वजह

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी के मुताबिक, आठ प्रमुख शहरों मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बंगलूरू, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, पुणे चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद में जनवरी-मार्च, 2023 में 63,787, 2019 में 2,26,414 किफायती मकान बिके थे।2020 में कोविड महामारी के बीच बिक्री घटकर 1,88,233 इकाई रह गई। देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही में 60 लाख रुपये तक की कीमत वाले किफायती मकानों की बिक्री चार फीसदी घटकर 61,121 इकाई रह गई है। कम आपूर्ति और लग्जरी अपार्टमेंट की अधिक मांग से किफायती मकानों की बिक्री में गिरावट आई है। रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी के मुताबिक, आठ प्रमुख शहरों मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बंगलूरू, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, पुणे चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद में जनवरी-मार्च, 2023 में 63,787 किफायती मकान बिके थे। आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में 2,26,414 किफायती मकान बिके थे।2020 में कोविड महामारी के बीच बिक्री घटकर 1,88,233 इकाई रह गई। हालांकि, 2021 व 2022 में बिक्री में तेजी आई और यह बढ़कर क्रमशः 2,17,274 एवं 2,51,198 इकाई पर पहुंच गई। मुंबई को छोड़ सभी शहरों में घटी बिक्री मुंबई में किफायती मकानों की बिक्री बढ़कर 28,826 इकाईपर पहुंच गई। दिल्ली-एनसीआर में बिक्री 2,774 से कम होकर 1,199 इकाईरह गई। पुणे में बिक्री घटकर 12,299 और अहमदाबाद में 6,892 इकाईरह गई। हैदराबाद में किफायती मकानों की बिक्री कम होकर 3,360 इकाईरह गई। चेन्नई, कोलकाता और बंगलूरू में भी किफायती मकानों की बिक्री में गिरावट देखने को मिली है। नईआपूर्ति में 37.90 फीसदी की कमी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च, 2024 के दौरान देश के इन आठ शहरों में 60 लाख रुपये तक के नए मकानों की आपूर्ति 37.90 फीसदी घटकर 33,420 इकाई रह गई।एक साल पहले की समान अवधि में इन शहरों में कुल 53,818 नएकिफायती मकानों की आपूर्ति की गई थी।

आईसक्रीम से कनखजूरा निकलने के मामले में अमूल ने भी शुरु की जांच, कस्टमर से वापस मंगवाया प्रोडक्ट

नई दिल्ली।

15 जून से सोशल मीडिया पर अमूल की वनिला आइसक्रीम काफी वायरल हो रही है। यह मामला नोएडा का है। 15 जून 2024 को सोशल मीडिया पर एक महिला ने पोस्ट करके जानकारी थी कि उसे फूड डिलीवरी ऐप से अमूल की वनिला आइसक्रीन ऑर्डर किया। इस आइसक्रीम के डिब्बे में मरा हुआ कनखजूरा पाया गया। अब अमूल ने इस मामले की जांच के लिए ग्राहक से आइसक्रीम टब वापस करने का अनुरोध किया, जिसमें कनखजूरा पाया गया।

अमूल ने नोएडा में एक महिला ग्राहक से आगे की जांच के लिए आइसक्रीम टब वापस करने का अनुरोध किया, जिसमें उसने कनखजूरा पाए जाने का दावा किया था और दावा किया कि वह भारत और वैश्विक दोनों बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद पेश करता है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसे तत्काल डिलीवरी ऐप के माध्यम से ऑर्डर किए गए आइसक्रीम टब के अंदर एक सेंटीपीड यानी कनखजूरा मिला है। इसके बाद नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

एक्स पर एक पोस्ट में, खुद को दीपा देवी बताने वाली महिला ने आइसक्रीम टब के अंदर कीड़ा दिखाते हुए एक तस्वीर साझा की। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

अमूल ने एक बयान में कहा कि उसने सोशल मीडिया पर शिकायत का तुरंत जवाब दिया। कंपनी ने कहा कि उसकी टीम लगातार ग्राहक से संपर्क करने की कोशिश कर रही थी और उसे उसी दिन मिलने की अनुमति दी गई थी।

अमूल ने बयान में कहा

अमूल ने आगे कहा कि ग्राहक से बातचीत के दौरान ग्राहक को अमूल के अत्याधुनिक आईएसओ-प्रमाणित संयंत्रों के बारे में बताया गया और आश्वस्त किया गया, जो स्वचालित हैं और सम्मानित ग्राहकों को बिक्री के लिए कोई भी उत्पाद पेश करने से पहले कई कड़े गुणवत्ता जांच से गुजरते हैं। कंपनी ने कहा कि एक बार जब हमें ग्राहक से शिकायत पैक मिल जाएगा, तो हम सभी कोणों से मामले की जांच करेंगे और निष्कर्षों के साथ फिर से अपने ग्राहकों के पास पहुंचेंगे। अमूल ने ग्राहक को गुणवत्ता प्रक्रियाओं के पालन के बारे में आश्वस्त करने के लिए अपने संयंत्र में आने के लिए भी आमंत्रित किया। इसके अलावा कंपनी ने ग्राहकों को अमूल आइसक्रीम की बेहतर गुणवत्ता का आश्वासन दिया। अमूल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है, जिसके मालिक 36 लाख किसान हैं। यह भारत भर में 100+ डेयरियों से उच्चतम गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों के साथ 50+ देशों में सालाना अमूल उत्पादों के 22 बिलियन पैक का विपणन करता है।

वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2-1 से हराया, डेनमार्क ने स्लोवेनिया से ड्रॉ खेला

बर्लिन ।
नीदरलैंड के फॉरवर्ड वाउट वेगहोर्स्ट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरकर प्रभावित करते रहे हैं और यूरोपीय चैम्पियनशिप के मुकाबले में भी उन्होंने ऐसा करते हुए अंत में गोल कर अपनी टीम को पोलैंड पर 2-1 से जीत दिलायी। इस स्ट्राइकर ने 83वें मिनट में मेम्फिस डिपे की जगह मैदान पर आने के बाद पहले ही प्रयास में बायें पैर से नीचा शॉट लगाकर गोल दाग दिया। डिपे ने कई मौके गंवा दिये थे।

रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना उतरी पोलैंड की टीम – चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1-0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के लिए कोडी गाकपो ने 29वें मिनट में पोलैंड के गोलकीपर वोजसिएच स्जेस्नी को चकमा देते हुए 'डिफ्लेक्टिड' शॉट से बराबरी गोल दागा। नीदरलैंड की इस जीत से ग्रुप डी की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीम पर कुछ दबाव बढ़ जायेगा जो आस्ट्रिया से भिड़ेगी।

डेनमार्क और स्लोवेनिया ने 1-1 से ड्रॉ खेला – डेनमार्क ने स्लोवेनिया के साथ दूसरे मुकाबले में 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप-सी के इस मैच में डेनमार्क के क्रिश्चियन एरिक्सन ने 17वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। हालांकि, दूसरे हाफ में 77वें मिनट में एरिक जानजा ने गोल दाग स्लोवेनिया की वापसी कराई। इसके बाद दोनों टीमें फुल टाइम तक कोई गोल नहीं कर सकी।

गत विजेता इटली ने अल्बानिया को 2-1 से पराजित किया – गत विजेता इटली मैदान पर उतरते ही कुछ समझ पाता कि 23वें सेकंड में उसके खिलाफ गोल हो गया। अल्बानिया के नेदिम बजरामी की ओर से किए गए इस गोल ने नए कोच लूसियानो स्पैलेटी की टीम को हिला दिया। यह यूरोपियन चैंपियनशिप के 64 वर्षों के इतिहास का सबसे तेज गोल था। हालांकि इटली जल्द ही संभल गया और 16वें मिनट तक उसने दो गोल दागते हुए 2-1 की बढ़त बना ली और इसी अंतर से बाद में उसने अल्बानिया पर जीत हासिल कर ली।

बारेला, बास्तोनी ने इटली के लिए दागे गोल – फेडरिको डिमार्को की थ्रो अलसांद्रो बास्तोनी के पास नहीं पहुंची। बजरामी ने इसे कब्जे में लेते हुए गोल भेद कर वेस्टफालेनस्टेडिऑन में मौजूद अल्बानियाई समर्थकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद इटली ने आक्रमणों की झड़ी लगा दी।

न्यूज ब्रीफ

यूरो 2024 में इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया

गेल्सेनकिर्चेन (जर्मनी)। इंग्लैंड ने अपने यूरो 2024 अभियान की शुरुआत जूड बेलिंगहैम के हैडर की बदौलत एरेना औफशाल्के में ग्रुप सी में सर्बिया के खिलाफ 1-0 की करीबी जीत के साथ की। इंग्लैंड ने आशाजनक शुरुआत की, विरोधियों के खिलाफ शुरुआती कब्जे का भरपूर आनंद लिया। काइल वॉकर ने बुकायो साका को एक सटीक पास दिया, जिसका दाहिनी ओर से क्रॉस स्ट्रहिंजा पावलोविच से टकरा गया। गेंद आने वाले जूड बेलिंगहैम के पास गई, जिन्होंने इसे प्रीड्रैग राजकोविच के पास से निकालकर गोल में पहुंचा दिया। बेलिंगहैम ने मैच के बाद कहा, पहले हाफ से पता चलता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ गोल क्यों कर सकते हैं, और दूसरे हाफ से पता चलता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ क्लीन शीट रख सकते हैं। हमें थोड़ा नुकसान उठाना पड़ा लेकिन हमने क्लीन शीट रखी और जब आप ऐसा करते हैं, तो आपको केवल इसकी आवश्यकता होती है मैच जीतने के लिए एक गोल करना होगा, कुल मिलाकर, हम उस प्रदर्शन से खुश होंगे। हालाँकि इंग्लैंड नियंत्रण में दिख रहा था, सर्बिया ने यह दिखाने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया था कि वे खतरा बरकरार रखे हुए हैं, और दूसरे हाफ की शुरुआत में स्थानापन्न फ़िलिप म्लादेनोविच व्लाहोविच के निचले क्रॉस को अंतिम टच देने के करीब थे। ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड ने राजकोविच के हाथों में मार दिया क्योंकि इंग्लैंड ने जवाब दिया, हालांकि इसके बाद मित्रोविच को बराबरी करने से रोकने के लिए जॉर्डन पिकफोर्ड और कीरन ट्रिप्पियर के संयोजन की आवश्यकता पड़ी। सर्बिया के स्थानापन्नों ने टीम को पुनर्जीवित किया, और डुसान टैडिच ने लुका जोविच को लगभग स्थापित कर दिया।

चिंता की बात नहीं......जब जरुरत होगी कोहली ठोंक देगा रन, भारतीय बल्लेबाजी कोच ने दिया जबाव

लॉडरहिल । भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली

का लगातार खराब फॉर्म कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि वह नेट पर शानदार फॉर्म में हैं। वे सुपर आठ से पहले कहीं ज्यादा जोश में दिख रहे हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने अब तक आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ क्रमशः 1, 4 और 0 रन बनाए हैं। राठौर ने कहा, मुझे अच्छा लगता है जब मैं आता हूं, तब हर बार विराट कोहली के बारे में सवाल पूछा जाता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता की बात नहीं है। वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) से आया है, उससे शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। यहां कुछ आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। राठौर को भरोसा है कि कोहली तब अच्छा प्रदर्शन करेगा जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

रवि शास्त्री ने बताया पंत की सेहत का राज

मुंबई । दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना का शिकार हुए ऋषभ पंत को मैदान पर वापसी करने में करीब 15 माह का समय लगा। सर्जरी के बाद पुनर्वास और रिकवरी के लिए उन्होंने कठिन मेहनत की। पंत मौजूदा टी20 विश्व कप में टीम के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं, उन्होंने नंबर 3 पर बल्ले से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया है। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच रवि शास्त्री ने पंत के समर्पण के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह (ऋषभ) सबसे प्रभावशाली रहे हैं, हर नए खिलाड़ी को बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन उनकी मूवमेंट की रेंज शानदार रही है। जैसा कि उन्होंने कहा कि अक्सर आपको 2 मौके नहीं मिलते। भगवान आपको जीने के लिए दो मौके नहीं देता। यह भगवान ही उससे कह रहा है कि तुम ऊपर आने के लिए अभी बहुत छोटे हो। तुम नीचे रहो और अपना क्रिकेट खेलो। शास्त्री ने कहा कि रिकी (पोंटिंग) ने उल्लेख किया कि वह डीसी के साथ थे और वह अपने स्वयं के शेफ को ले जा रहे थे।

बांग्लादेश ने टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे छोटा टोटल डिफेंड किया : नेपाल की पारी में तंजीम की रोहित पौडेल से हुई कहा-सुनी

नई दिल्ली ।
टी-20 वर्ल्डकप का 37वां मुकाबला काफी रोमांचक रहा। बांग्लादेश ने टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे छोटा 107 रन का टोटल डिफेंड किया। इस मुकाबले में दोनों ही टीम की ओर से शानदार गेंदबाजी देखने को मिली। तंजीम हसन साकिब ने बांग्लादेश की दूसरी सबसे शानदार बॉलिंग की। मैच के दौरान उनकी नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल से कहा-सुनी भी हुई।

मैच में बने मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स...

लिटन दास को मिला जीवनदान – बांग्लादेश के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर विकेटकीपर लिटन दास को जीवनदान मिला। नेपाल के बॉलर सोमपाल कामी ने मिडिल और लेग स्टंप के बीच फुल लेंथ बॉल फेंकी। लिटन थोड़ा पीछे हटे और बॉल उनके पैड पर लगी। नेपाल की अपील पर फील्ड अंपायर ने लिटन को आउट करार दिया गया। लेकिन, लिटन दास ने तीसरे अंपायर का रुख किया।

लेग स्टंप मिस होने के कारण लिटन को जीवनदान मिला। हालांकि, 5वें ओवर में लिटन को सोमपाल ने ही 10 रन पर आउट किया। 2.शाकिब के कारण महमुदुल्लाह रन आउट हुए बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करने उतरी। टीम की शुरुआत काफी खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही 4 विकेट खो दिए। 9वां ओवर संदीप लामिछाने ने किया। उन्होंने ओवर की आखिरी गेंद शाकिब को फुल टॉस फेंकी।

शाकिब ने एक्स्ट्रा कवर पर शॉट खेला और सिंगल लेने के लिए दौड़े। लेकिन, फिर शाकिब ने देखा की नेपाल के फील्डर गुलशन झा गेंद के काफी पास हैं और उन्होंने दूसरे छोर से रन लेने के लिए आ रहे महमूदुल्लाह को वापस लौटने को कहा।

महमूदुल्लाह आधी से ज्यादा दूरी पार कर चुके थे। गुलशन ने गेंदबाज लामिछाने की ओर थ्रो किया और लामिछाने ने एक आसान सा रन आउट किया। महमूदुल्लाह 13 रन बनाकर आउट हुए।

तंजीम और कप्तान पौडेल के बीच हुई कहा-सुनी – 106 रन चेज करने उतरी नेपाल की टीम ने तीसरे ओवर में दो विकेट खो दिए। बांग्लादेश के तंजीम हसन साकिब ने ओवर की दूसरी गेंद पर कुशल भुर्टेल और चौथी गेंद पर अनिल शाह का विकेट लिए। इसके बाद मैदान पर नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल आए। तंजीम ने उन्हें दो डॉट बॉल फेंकी और दोनों एक दूसरे को देखने लगे। इसके बाद दोनों की बीच कहा-सुनी शुरू हो गई। अंपायर ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो से बातचीत कर मामला शांत किया।

महमूदुल्लाह ने छोड़ा रन आउट, दीपेंद्र को मिला जीवनदान – 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर दीपेंद्र सिंह एरी के 15 रन पर जीवनदान मिला। महमूदुल्लाह ने कुशल मल्ला को ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट बॉल फेंकी। मल्ला ने बैकवर्ड पॉइंट की तरफ शॉट खेला। दूसरे छोर पर खड़े दीपेंद्र एरी रन लेना चाहते थे। वह एक रन लेने के लिए दौड़े। हालांकि कुशल ने आधे रस्ते उन्हें मना कर दिया। वह वापस लौटे क्रीज पर डाइव लगाई। महमूदुल्लाह दीपेंद्र को रन आउट करने से चूक गए।

मैच में बने रिकॉर्ड्स...

बांग्लादेश ने टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे छोटा टोटल डिफेंड किया – बांग्लादेश और नेपाल के बीच हुए मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 107 का स्कोर बनाया। जवाब में खेलते हुए नेपाल बांग्लादेश की शानदार गेंदबाजी के सामने 85 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश ने 21 रन से मुकाबला जीत लिया। टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे छोटा टोटल डिफेंड किया। इससे पहले इसी वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ साउथ अफ्रीका ने 114 रन डिफेंड किए थे।

टी-20 वर्ल्डकप में तंजीम ने बांग्लादेश के लिए दूसरी सबसे शानदार गेंदबाजी की – टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बांग्लादेश के आखिरी लीग मुकाबले में टीम के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। 108 का छोटा टारगेट चेज कर रही नेपाल के तीसरे ओवर से ही विकेट गिरने लगे। बांग्लादेश के लिए तंजीम हसन साकिब ने 4 ओवक में 7 रन देकर 4 विकेट चटकाए। यह बांग्लादेश की ओर से दूसरी सबसे शानदार बॉलिंग फिगर रहा। इससे पहले 2016 में मुस्तफिजुर रहमान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 22 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

श्रीलंकाई बल्लेबाज ने दिखाया दम, जड़ा ऐसा छक्का कि छत पर जाकर टकराई गेंद

नई दिल्ली ।
श्रीलंकाई बल्लेबाज चरित असलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 37वें मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 46 रन की धांसू पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान सिर्फ एक चौका जमाया जबकि पांच छक्के जड़े।

हालांकि, असलंका के एक सिक्स ने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यह सिक्स असलंका ने पारी के 16वें ओवर में लगाया था। नीदरलैंड्स के बास डी लीड गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने ओवर की पांचवीं गेंद शॉर्ट लेंथ की डाली, जिस पर असलंका ने मिडविकेट की दिशा में हवाई शॉट जमाया।

असलंका के इस शॉट में इतनी ताकत थी कि गेंद जाकर छत से टकरा गई। आईसीसी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर असलंका के इस सिक्स का वीडियो शेयर किया, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आईसीसी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, बूम।

श्रीलंका की विजयी विदाई

बता दें कि श्रीलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अपने आखिरी लीग मैच में नीदरलैंड्स को 83 रन के विशाल अंतर से मात दी। श्रीलंका ने किंग्सटन में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 201 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स की टीम 16.4 ओवर में 118 रन पर ऑलआउट हुई।

श्रीलंका का प्रदर्शन

श्रीलंका की टूर्नामेंट से विजयी विदाई हुई। वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी साख बचाने में कामयाब रही क्योंकि एक भी मैच नहीं जीत सकी थी। श्रीलंका को लीग मैचों में दक्षिण अफ्रीका (6 विकेट) और बांग्लादेश (2 विकेट) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। नेपाल के खिलाफ श्रीलंका का मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

कप्तानी के बारे में निर्णय पीसीबी को लेना है, मुझे नहीं : बाबर

लौडरहिल ।
टी 20 विश्व कप से ग्रुप चरण में पाकिस्तान के बाहर होने के बाद बाबर आज़म के पाकिस्तान का कप्तान बने रहने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. हालांकि बाबर ने कहा कि वह इस संबंध में वह कोई भी निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ पाकिस्तान के वर्ल्ड कप अभियान की समीक्षा के लिए होने वाली मीटिंग के बाद ही लेंगे ।

बाबर ने कहा, जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी, तब मुझे यही लगा था कि मुझे आगे कप्तानी नहीं करनी चाहिए और इसीलिए मैंने खुद ही कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी. इसके बाद मुझे वापस कप्तानी दे दी गई और यह पीसीबी का निर्णय था. जब मैं वापस जाऊंगा तब जो भी चीज़ें यहां घटित हुई हैं उनके ऊपर बोर्ड के साथ चर्चा करूंगा और अगर मुझे कप्तानी छोड़नी पड़ी तो मैं सार्वजनिक तौर पर इसकी घोषणा करूंगा. लेकिन अभी के लिए मैंने इस बारे में नहीं सोचा है, अंततः यह पीसीबी का निर्णय है।

बाबर से जब यह पूछा गया कि क्या वह टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के शुरुआती चरण में पाकिस्तान के बाहर होने की ज़िम्मेदारी लेते हैं तब उन्होंने यही कहा, मैंने आपको जैसा कि पहले भी कहा कि हम एक व्यक्ति की वजह से नहीं हारे हैं, हम एक टीम के तौर पर जीतते या हारते हैं. आप कप्तान होने के संदर्भ में मेरे से यह सवाल कर रहे हैं लेकिन मैं हर खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता. टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी का अपना रोल होता है. हम यह स्वीकारते हैं कि हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले।

उन्होंने कहा,जिस तरह की टीम हमारे पास थी उससे बेहतर परिणाम की अपेक्षा थी. एक कप्तान के तौर पर मैं किसी एक खिलाड़ी के ऊपर उंगली नहीं उठा सकता. कमी सभी 15 खिलाड़ियों में थी. हम समीक्षा करेंगे. एक कप्तान के तौर पर मेरा दायित्व यह है कि मैं निर्णय लेने वाले लोगों को अपना फ़ीडबैक दूं।

सुपर-8 की तैयारी करने उतरेंगे वेस्टइंडीज़ और अफ़ग़ानिस्तान

नई दिल्ली ।
टी20 विश्व कप 2024 का अंतिम ग्रुप मुक़ाबला मेज़बान वेस्टइंडीज़ और अफ़ग़ानिस्तान के बीच सेंट लूसिया के ग्रॉस आइलेट मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मुक़ाबला सुबह छह बजे खेला जाएगा।

दोनों टीमें ग्रुप मुक़ाबलों में अपने तीनों मैच जीतकर आ रही हैं, इसलिए उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है और यह मुक़ाबला रोमांचक हो सकता है। दोनों टीमों की नज़र आख़िरी ग्रुप मुक़ाबला भी जीतकर सही नोट के साथ सुपर-8 में पहुंचना होगा।

कप्तानों के बीच जंग : रोवमन पॉवेल और राशिद ख़ान

जनवरी 2023 के बाद से रोवमन पॉवेल वेस्टइंडीज़ के लिए टी20 मैचों में तीसरे सबसे अधिक रन (461) बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं, हालांकि इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट (163.47) अन्य दो शीर्ष बल्लेबाज़ों निकोलस पूरन और ब्रैंडन किंग से अधिक रहा है। इस विश्व कप के तीन मैचों में उनके नाम 105 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 39 रन है और वह फ़ॉर्म में वापसी को बेचैन होंगे। यह मैच उनका हो सकता है और इस मैच में रन बनाकर वह सुपर-8 मुक़ाबलों में मेज़बान कप्तान के तौर पर बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ जाना चाहेंगे।

क्या राशिद ख़ान वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ अपने फ़ॉर्म को सुधार पाएंगे

वहीं अफ़ग़ानिस्तान के कप्तान राशिद ख़ान के नाम इस विश्व कप के तीन मैचों में छह विकेट हैं। वह बीच के ओवरों में आते हैं और विपक्षी टीम की रीढ़ ही तोड़ देते हैं। हालांकि वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ उनका रिकॉर्ड कुछ ख़ास नहीं रहा है और उन्होंने इस टीम के ख़िलाफ़ आठ टी20 मैचों में सिर्फ़ नौ विकेट लिए हैं। वेस्टइंडीज़ उन चार अंतर्राष्ट्रीय टीमों में से है, जिनके ख़िलाफ़ राशिद का औसत भी 20 से अधिक हो जाता है। वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ी क्रम को देखते हुए राशिद इस मैच में अपने रिकॉर्ड को सुधार सकते हैं।

टीमें

वेस्टइंडीज़: रोवमन पॉवेल (कप्तान), अल्ज़ारी जोसेफ़ (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रॉस्टन चेज़, शिमरॉन हेटमायर, शमार जोसेफ़, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), शाई होप, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफ़र्ड, ओबेद मकॉए, अकील हुसैन, गुडाकेश मोती, शर्फ़ेन रदरफ़ोर्ड

अफ़ग़ानिस्तानः राशिद ख़ान (कप्तान), रहमानउल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, मोहम्मद इशाक़, अज़्मतउल्लाह ओमरज़ाई, करीम जनत, गुलबदीन नईब, नजीबउल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, नवीन उल हक़, नांगेलिया ख़रोटे, नूर अहमद, फ़ज़लहक़ फ़ारूक़ी, फ़रीद अहमद, मुजीब उर रहमान।

सीवान टाइटेंस बनी पहली बिहार वुमेन कबड्डी लीग की चैंपियन, विजेता टीम हुई मालामाल

नई दिल्ली ।
सीवान टाइटेंस की टीम बिहार वुमन कबड्डी लीग की पहली चैंपियन बनी। 10-16 जून तक 10 से 16 जून तक बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग में आयोजित फाइनल मुकाबले में सीवान टाइटेंस ने सारण स्ट्राइकर्स को 27-20 के अंतर से रौंदा। विजेता टीम को 1,51,000 नकद राशि और ट्रॉफी के साथ गोल्ड मेडल दिया गया। सारण स्ट्राइकर्स की टीम उपविजेता रही, जिसे सिल्वर मेडल और 75,000 रुपये की नकद राशि दी गई। पटना पेलिकंस की टीम तीसरे स्थान पर रही, जिसे ब्रॉन्ज मेडल और 51,000 रुपये की नकद राशि दी गई। इसके अलावा मगध वॉरियर्स की सुंदरी कुमारी को बेस्ट रेडर चुना गया, जिन्होंने कुल 91 अंक हासिल किए। वहीं, सीतामढ़ी सेंटीनल्स की अंजलि कुमारी को बेस्ट डिफेंडर चुना गया। अंजलि ने 48 टैकल प्वाइंट्स बनाए। नालंदा निंजास की नैंसी प्रिया को बेस्ट ऑलराउंड चुना गया। बता दें कि पूरी प्रतियोगिता के बेस्ट रेफरी राणा रंजीतसिंह बने जबकि सारण टीम के नील कमल को बेस्ट कोच चुना गया। जानकारी है कि बेस्ट ऑलराउंडर 15000 नकद रुपये तथा बेस्ट रेडर, बेस्ट डिफेंडर ,बेस्ट रेफरी तथा बेस्ट कोच को मेडल के अलावा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

मुख्य अतिथि बिहार सरकार के खेल विभाग के मंत्री माननीय सुरेन्द्र मेहता, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक सह सचिव श्री पंकज कुमार राज की उपस्थिति में, विजेता टीम और खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने सभी का अभिनंदन करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि कोई भी खेल आपसी प्रेम और भाईचारा को बढ़ाता है और बिहार की बेटियों का खेल देख कर बहुत खुशी हुई। सरकार राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर हर संभव प्रयास कर रही है। बहुत जल्द ही खेल को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए हर पंचायत में सभी संसाधनों से युक्त स्पोर्ट्स क्लब खोलने की दिशा में काम हो रहा है। खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने प्रथम बिहार वुमेन कबड्डी लीग के सफल आयोजन पर इसके प्रबंधन ,संचालन और प्रसारण से जुड़े विभिन्न घटकों के सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए उन्हे धन्यवाद दिया कि सभी के सामूहिक प्रयास से ही इसका सफल आयोजन हो सका है ।आगे श्री शंकरण ने बताया कि पूरे देश में पहली बार सरकार द्वारा महिला कबड्डी लीग का आयोजन किया जा रहा है, यह बिहार के लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है।

एक बार याद दिला दें कि बिहार वुमेन कबड्डी लीग के पहले संस्करण में कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया था। इन टीमों के नाम व प्रायोजक इस प्रकार हैं:

- सीतामढ़ी सेंटीनल्स – वुमन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
- पटना पेलिकंस – बिहार टूरिज्म
- मगध वॉरियर्स – एपीआर ऑटोमोबाइल्स
- नालंदा निंजास – माइक्रो फाइनेंस बैंक सीडॉट
- सारण स्ट्राइकर्स – निनीति हॉस्पिटल
- सीवान टाइटेंस – परिवर्तन।

ये जानना अहम

इस लीग की टूर्नामेंट डायरेक्टर रहीं प्रतिष्ठित ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित भारतीय महिला टीम की प्रशिक्षक कविता सेल्वाराज के मार्गदर्शन में इस प्रतियोगिता में चयन के लिए आयीं 480 प्रतिभागियों में से 96 प्रतिभावान खिलाड़ियों को चुन कर उन्हें 15 दिन के प्रशिक्षण शिविर में कविता द्वारा प्रशिक्षित किया गया और सभी छह टीमों में इन 96 खिलाड़ियों को योग्यता और क्षमता में बराबरी का ध्यान रखते हुए विभाजित किया गया।

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे संकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए हैं। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

रेड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और यह जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। यगंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड के जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने की कोशिश करते हैं। अब जबकि ठंड कुछ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना फैशन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना सकती हैं। जब बात की जाए मेकअप की तो रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो सकता। इस सीजन में तो यह कलर मल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ होंठों पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और आंखों को भी खूबसूरत लुक देता है।

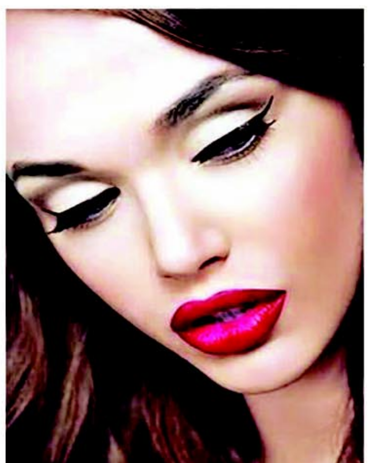

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलैक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

आटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार बच्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में पहुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो गया- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। एक अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक वर्ष इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन बच्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल और 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म की अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक शहर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर खुल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की संख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब संभव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दहीं के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। **कैसे आगे बढ़े:** एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस,

अन्य सामग्री: 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढ़ा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**